हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 23 सितंबर 2026

SHOWROOMS: CHHATTISGARH: RENAULT **BILASPUR** Ph: 8448989103. RENAULT **AMBIKAPUR** Ph: 8448989107. RENAULT **BHILAI** Ph: 7290017807. RENAULT **JAGDALPUR** Ph: 7428297117. RENAULT **KORBA** Ph: 9319184879. RENAULT **RAIPUR** Ph: 7290017983. RENAULT **RAJNANDGAON** Ph: 7428438931.

आधा दर्जन सरकारी विभागों के ही 12 हजार बिजली कनेक्शन प्रीपेड, बाकी दे ही नहीं रहे एडवांस

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

सरकारी विभागों की अपने बिजली कनेक्शनों को प्रीपेड करने में रुचि ही नहीं दिख रही है। बड़ी मशक्कत के बाद अब तक आधा दर्जन विभागों के 12 हजार कनेक्शन ही प्रीपेड हो सके हैं। इनसे पॉवर कंपनी को 57 लाख रुपए एडवांस में मिले हैं। बाकी विभाग जिन पर करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया है और बकाया लगातार बढ़ते भी जा रहा है, ऐसे विभाग अपने कनेक्शन प्रीपेड करने में गंभीर ही नहीं हैं। ऐसे कई विभागों के अब कनेक्शन भी कट हो रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी सरकारी विभाग अपने कनेक्शन प्रीपेड नहीं करवा रहे हैं।

- अब तक पॉवर कंपनी को एडवांस में मिले महज 57 लाख

सरकारी विभागों का बकाया पॉवर कंपनी के लिए हमेशा से सिरदर्द रहा है। ऐसे में स्मार्ट मीटर योजना के बाद अब सरकारी विभागों के कनेक्शनों को प्रीपेड करने का प्रयास इस साल मार्च से प्रारंभ किया। इसमें अब जाकर बड़ी मुश्किल से थोड़ी सी सफलता मिली है। प्रदेश के डेढ़ लाख से ज्यादा सरकारी कनेक्शनों को प्रीपेड करने की योजना है, लेकिन इसमें महज करीब 8 प्रतिशत कनेक्शन ही प्रीपेड हो सके हैं।

जिन सरकारी विभागों से पॉवर कंपनी को एडवांस में पैसा मिला है, उनमें क्रेडा और विधि विधायी विभाग ने अपने प्रदेश भर के कनेक्शनों के लिए एडवांस दे दिया है। इसके अलावा एक भी सरकारी विभाग ने अपने प्रदेश भर के कनेक्शनों के लिए एडवांस नहीं दिया है। कुछ विभाग जिलेवार पैसे दे रहे है। ऐसे विभागों में परिवहन विभाग के बिलासपुर, मुंगेली, महासमुंद, मरवाही, बलौदाबाजार, बालोद, दंतेवाड़ा जिला शामिल हैं। इसी तरह से पशुपालन विभाग बलौदाबाजार, लोक निर्माण विभाग कांकेर और दुर्ग शामिल हैं। जिला पंचायतों में रायपुर जिला पंचायत सहित खैरागढ़, दुर्ग, बलौदाबाजार, बालोद, रायगढ़, मुंगेली और सूरजपुर शामिल हैं। इसी तरह से जनपद पंचायतों में दुर्ग, बलौदाबाजार, बालोद शामिल हैं। इन विभागों से पॉवर कंपनी को 56 लाख 97 हजार रुपए का एडवांस भुगतान मिला है।

बड़े बकायेदारों की रुचि नहीं

प्रदेश भर के सरकारी विभागों पर इस समय जो साढ़े तीन हजार करोड़ का बकाया है, उसमें सबसे ज्यादा नगरीय निकाय विभाग पर 16 सौ करोड़ का बकाया है। इसके बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 900 करोड़ का बकाया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पर 110 करोड़, स्कूली शिक्षा विभाग पर 82 करोड़, चिकित्सा विभाग पर 31 करोड़, जल संसाधन पर 27 करोड़, गृह विभाग पर 26 करोड, आवास एवं पर्यावरण विभाग पर 13 करोड़, राजस्व विभाग पर 12 करोड़, वन विभाग पर 10 करोड़ सहित कई और विभागों पर करोड़ का बकाया है।

आदिवासी युवती के यौन शोषण के आरोपी पिता-पुत्र की जमानत खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने मानव तस्करी की शिकार हुई 21 वर्षीय आदिवासी युवती के यौन शोषण के आरोपी पिता-पुत्र की जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि

आरोपियों के खिलाफ यौन शोषण का आरोप है और पीड़िता अनुसूचित जनजाति की सदस्य है। मामले के अनुसार सरगुजा क्षेत्र में शकील खान और इमरान अंसारी पर आदिवासी युवतियों को काम दिलाने के बहाने उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में ले जाकर बेचने का आरोप है। पुलिस ने पूछताछ के बाद पीड़िता को उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के सरवन गोहानी निवासी राकेश राठौर और उसके पुत्र सुमित राठौर के घर से बरामद किया था। दोनों को 26 जून 2025 को भारतीय न्याय संहिता और एट्रोसिटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया।

निचली अदालत से जमानत खारिज होने के बाद राकेश और सुमित ने हाईकोर्ट में आवेदन पेश किया। उनकी ओर से कहा गया कि मानव तस्करी के आरोप सह-आरोपियों के खिलाफ हैं। यह भी तर्क दिया गया कि पीड़िता ने पूछताछ में सुमित राठौर के साथ शादी होने की बात कही है। हाईकोर्ट ने कहा कि पीड़िता और सुमित के बीच विवाह का कोई दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पीड़िता अनुसूचित जनजाति की सदस्य है और गैर-आदिवासी आरोपियों पर उसके यौन शोषण का आरोप है।

केवाईसी के समाधान के लिए अब संभाग कार्यालयों में भी हर गुरुवार को शिविर

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं के लिए अब केवाईसी जरूरी कर दिया है। उपभोक्ता मोर बिजली एप के माध्यम से केवीईसी आसानी से कर रहे हैं, लेकिन कई उपभोक्ताओं के नाम में गलती के कारण या अन्य किसी वजह से हो रही परेशानी को देखते हुए राजधानी के उपभोक्ताओं के लिए हर बिजली दफ्तर में तो रोज समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है।

बैज बोले -अब जमीनी स्तर पर काम करेगी कांग्रेस भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे 307 ब्लॉक अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सभी ब्लॉक अध्यक्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से चलाए गए इस प्रशिक्षण अभियान के तहत अलग-अलग संभागों में ब्लॉक अध्यक्षों को संगठन को मजबूत करने, जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को लेकर प्रशिक्षण दिया गया।

- पांच संभागों में ब्लॉक अध्यक्षों का प्रशिक्षण पूरा

प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत बस्तर संभाग से की गई थी। इसके बाद दुर्ग, सरगुजा और बिलासपुर संभाग में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंतिम चरण में रायपुर संभाग के ब्लॉक अध्यक्षों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसका आज समापन हुआ। रायपुर संभाग के प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने ब्लॉक अध्यक्षों को संगठनात्मक गतिविधियों और पार्टी की रणनीति से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने पेपर लीक, सरकार के खिलाफ छात्रों के आक्रोश विषय चर्चा की तथा देश के युवाओं में वर्तमान केंद्र सरकार की नाराजगी को विस्तार में समझाया। सौरभ बाजपेयी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन, उत्थान एवं देश के विकास में योगदान पर व्याख्यान दिया। एआईसीसी के सहसचिव एवं सहप्रभारी विजय जांगिड़ ने प्रशिक्षार्थियों से उनके सक्रिय योगदान, सहभागिता, अनुभव और सुझाव को संगठन के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। 2028 में छत्तीसगढ़ में और 2029 में देश में कांग्रेस की सरकार बनाने संकल्पित है।

कांग्रेस की ओर से संवाददाताओं से चर्चा में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, पूरे प्रदेश को 5 संभागों में बांटकर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया। 3-3 दिन का हमने सभी संभागों का प्रशिक्षण किया। 307 ब्लॉक अध्यक्ष अब भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। आम जनता के बीच जाकर सरकार की नाकामियां बताएंगे। अब जमीनी स्तर पर कांग्रेस काम करेगी।

भूपेश बघेल के काफिले पर हमले के मामले में दीपक बैज ने कहा, असम में लोकसभा के उपचुनाव चल रहे हैं, प्रचार के दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल और गौरव गोगोई के ऊपर असम में बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने पथराव किया, ये चिंताजनक है। पथराव से कई गाड़ियों के कांच टूटे हैं। बीजेपी जनता के रुझान के अनुसार डरी हुई है। बीजेपी कार्यकर्ता हमारे लोगों पर हमला कर रही है। क्या यही लोकतंत्र है?

राज्य सरकार के कृषि विभाग की रिपोर्ट

देश में धान बुवाई का रकबा पौने चार फीसदी घटा, छत्तीसगढ़ में भी 1340 हेक्टेयर की कमी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

इस खरीफ सीजन में देश के कई धान उत्पादक राज्यों में धान बुवाई का रकबा पिछले साल से अब तक कम दर्ज हुआ है। अगर छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां भी इस साल पिछले साल के मुकाबले रकबा घटा है। राज्य सरकार के कृषि विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिवेदित अवधि 21 सितंबर की स्थिति में धान बुवाई के रकबे में 1340 हेक्टेयर की कमी आई है। हालांकि छत्तीसगढ़ में यह कमी मामूली है, पर देश के लिहाज से देखें तो इस खरीफ सीजन में धान के उत्पादन में कमी आ सकती है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के 18 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार देश में धान का क्षेत्रफल 429.28 लाख हेक्टेयर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के 445.92 लाख हेक्टेयर से 16.64 लाख हेक्टेयर कम है, यानी कमी करीब 3.73 प्रतिशत है।छत्तीसगढ़ में राज्य कृषि विभाग के 21 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार धान की बुवाई 39.2074 लाख हेक्टेयर में हुई है। पिछले साल इसी तारीख तक यह रकबा 39.2208 लाख हेक्टेयर था। दोनों आंकड़ों का अंतर 0.0134 लाख हेक्टेयर, यानी 1,340 हेक्टेयर है। इस तरह राज्य में धान का रकबा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 0.034 प्रतिशत कम है।

राज्य के आंकड़ों के अनुसार 21 सितंबर तक धान की कुल बुवाई 39.2074 लाख हेक्टेयर में हुई है। इसमें 27.7830 लाख हेक्टेयर धान बोता और 11.4244 लाख हेक्टेयर धान रोपा शामिल है। इस तरह बोता और रोपा, दोनों विधियों का क्षेत्र जोड़ने पर कुल रकबा 39.2074 लाख हेक्टेयर बैठता है। राज्य ने धान के लिए 38.7809 लाख हेक्टेयर का लक्ष्य रखा था। इस लिहाज से लक्ष्य का लगभग 101.1 प्रतिशत क्षेत्र कवर हो चुका है, यानी लक्ष्य से करीब 0.4265 लाख हेक्टेयर यानी 42,650 हेक्टेयर अधिक क्षेत्र में धान की बुवाई दर्ज की गई है। हालांकि लक्ष्य से अधिक क्षेत्र में बुवाई होने के बावजूद पिछले साल की समान तारीख के मुकाबले रकबे में मामूली कमी है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में 18 सितंबर तक देश में धान का क्षेत्रफल 429.28 लाख हेक्टेयर दर्ज है। पिछले साल इसी अवधि में यह 445.92 लाख हेक्टेयर था, यानी एक साल में 16.64 लाख हेक्टेयर का अंतर है। सितंबर की शुरुआत में भी राष्ट्रीय स्तर पर यही रुझान दिखाई दे रहा था। 4 सितंबर तक धान का क्षेत्रफल 421.82 लाख हेक्टेयर था, जबकि पिछले साल इसी समय यह 438.19 लाख हेक्टेयर था। उस समय कमी 16.37 लाख हेक्टेयर थी।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के साप्ताहिक आंकड़ों में कर्नाटक, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, झारखंड और महाराष्ट्र में कमी को राष्ट्रीय गिरावट के प्रमुख कारणों में गिना गया था।18 सितंबर तक धान का रकबा बढ़कर 429.28 लाख हेक्टेयर हो गया, लेकिन पिछले साल के मुकाबले अंतर बना हुआ है।

बिलासपुर, बुधवार 23 सितंबर 2026 haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हरिभूमि और आईएनएच की पड़ताल में बड़ा खुलासा

भेजे गए पीपीई किट बड़े पैमाने पर अस्पतालों में डंप

सप्लाई का गजब खेल, कोरोना के बाद भी पीपीई किट की भरमार, जरूरी दवाओं के लिए इंतजार

गौरव शर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

छत्तीसगढ़ यूं तो चार साल पहले ही कोरोना के संक्रमण से मुक्त हो चुका है, लेकिन सीजीएमएससी से लेकर सरकारी अस्पतालों में अब भी पीपीई किट का खेल खत्म नहीं हुआ है। हरिभूमि और आईएनएच की पड़ताल में सीजीएमएससी के पुश मैकेनिज्म को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। राजधानी के निकटस्थ सरकारी अस्पतालों में बड़े पैमाने पर पीपीई किट भेजी जा रही है। हरिभूमि और आईएनएच की टीम जब रायपुर के ग्रामीण इलाकों में पड़ताल के लिए पहुंची तो, सीजीएमएससी से भेजे गए पीपीई किट बड़े पैमाने पर अस्पतालों में डंप मिले। माना सिविल अस्पताल के स्टोर रूम में कई कार्टून में पीपीई किट ▶▶| शेष पेज 4 पर

एक किट की कीमत 980 रुपए, चूहों ने कुतरा

अभनपुर ब्लॉक के ऊपरवारा आयुष्मान केंद्र में चार कार्टून पीपीई किट भेजी गई है। प्रत्येक किट की कीमत 980 रुपए दर्ज है। इसी तरह माना बस्ती के आयुष्मान केंद्र में भी चार कार्टून पीपीई किट 10 दिन पहले ही भेजे गए हैं। माना के सिविल ▶▶| शेष पेज 4 पर

जुलाई में इंजेक्शन भेजे अगस्त में एक्सपायरी

हरिभूमि की पड़ताल में यह सामने आया कि अस्पतालों में बगैर मांगे ही जेंटामाइसिन, मैग्निशियम सल्फेट समेत कई अनुपयोगी दवाएं भेजी गई हैं। अभनपुर के स्वास्थ्य केंद्र में जुलाई के अंतिम सप्ताह में 2000 से अधिक ऐसे इंजेक्शन भेज दिए गए जिसकी एक्सपायरी डेट अगस्त में थी। उपयोग नहीं होने की वजह से सभी इंजेक्शन एक्सपायरी हो गए। इसी ▶▶| शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

आज दिल्ली से वापस आएंगे किरण देव

रायपुर। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव दिल्ली से बुधवार की रात को 8 बजे वापस रायपुर लौटेंगे।

किरण देव 29 जुलाई को उत्तरप्रदेश में एक सड़क हादसे में घायल हो गए थे। इसके बाद से उनका दिल्ली में इलाज चल रहा था। अब वे स्वस्थ होकर वापस लौट रहे हैं। वे लंबे समय तक दिल्ली में छत्तीसगढ़ सदन में विश्राम कर रहे थे। इस बीच वे लगातार कई बार प्रदेश संगठन की बैठकों में ऑनलाइन भी शामिल हुए।

जाली नोट खपाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की शाहदरा जिला पुलिस ने नकली नोटों की आपूर्ति करने और खपाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में जुटे 193 देशों के प्रतिनिधि

ट्रंप ने यूएन से ईरान को दी धमकी समझौता करो, वरना खत्म कर देंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के फैसले का बचाव किया और कहा कि उन्होंने हिम्मत दिखाई है, जबकि दूसरे नेताओं ने टालमटोल वाला रवैया अपनाया है। ट्रंप ने भी अपने संबोधन में सबसे ज्यादा ईरान पर ही निशाना साधा और उसे बर्बाद करने की धमकी तक दी।

एजेंसी ▶▶| संयुक्त राष्ट्र।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पहले से ज्यादा ताकतवर हुआ है। साथ ही उन्होंने ईरान को खत्म करने की सीधी धमकी दी। उन्होंने कहा, मेरे सामने एक बड़ा फैसला है। अमेरिका के पास दो रास्ते हैं- ईरान के साथ समझौता करना या उसे खत्म कर देना। ट्रंप ने कहा कि उन्हें यह काम जल्दी करना ताकि उसे फिर से लोगों और देशों को नुकसान पहुंचाने का मौका न मिले। ईरान को खत्म करने की धमकी देने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की अपील की। ट्रंप ने कहा कि अगर यह रणनीति काम करती है तो तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट ▶▶| शेष पेज 4 पर

ट्रंप ने चुनावी प्रचार की तरह दिया भाषण

राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में अपना भाषण एक चुनावी प्रचार की तरह शुरू किया। उन्होंने विदेश मामलों पर ज्यादा ध्यान न देते हुए, अर्थव्यवस्था, इमिग्रेशन और अपराध जैसे घरेलू मुद्दों पर अपने काम-काज का जिक्र किया। ट्रंप ने कहा, मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि अमेरिका की वापसी हो चुकी है और हमारा देश आज पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है। उन्होंने कहा, हमारी टेक्नोलॉजी सबसे बेहतरीन है और हम लगभग हर क्षेत्र में सबसे आगे हैं।

ट्रंप बोले

- अमेरिका में अपराध का स्तर कम हुआ
- यूएस ने सेना पर 1.5 ट्रिलियन डॉलर खर्च किया
- मैंने यूरोप को ईरानी हमले से बचाया

हमारी दुनिया में खाई बढ़ती जा रही : यूएन महासचिव

इससे पहले, यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपना विदाई भाषण दिया। महासचिव के तौर पर यह उनका आखिरी यूएन महासभा संबोधन था। भाषण की शुरुआत में गुटेरेस ने कहा कि हमारी दुनिया में खाई बढ़ती जा रही है। यूएन प्रमुख ने कहा कि महाशक्तियों को यह समझना होगा कि उनकी ताकत उतनी भी 'सुपर' नहीं है और सिर्फ सैन्य ताकत से शांति कायम नहीं की जा सकती।

भारत-पाक युद्ध रुकवाने का फिर किया दावा: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में विश्व भर के नेताओं को संबोधित करते हुए एक बार फिर से यह दावा किया कि उन्होंने पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रुकवाया था। ट्रंप ने कहा, जब से मैंने पद संभाला है, आठ युद्ध को खत्म कराना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही है और ऐसा करते हुए उन देशों में से कई के नेताओं के साथ दोस्ताना संबंध बना। मेरे लिए यह काफी सम्मान की बात है। इनमें से कई युद्ध तो कई वर्षों और दशकों तक चले थे। उन्होंने कहा कि वह ये समझौते (युद्ध खत्म करने के) इसलिए करा पाए क्योंकि उन्होंने अपने बहुत खास रिश्तों, व्यापार, शुल्क (टैरिफ) के इस्तेमाल और धमकी, तथा देशवार कई अन्य उपायों का सहारा लिया।

तुर्किये राष्ट्रपति ने फिर कश्मीर मुद्दा उठाया

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एकबार फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने मंगलवार को कहा कि कश्मीर मुद्दे का हल बातचीत के जरिए होना चाहिए। एर्दोगन 2019 से हर साल (2024 छोड़कर) 7 बार यूएन में कश्मीर का जिक्र कर चुके हैं। भारत पहले भी ऐसी टिप्पणियों को खारिज कर चुका है।

ईरानी राष्ट्रपति और विदेश मंत्री बैठक में नहीं पहुंचे

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क में हैं, लेकिन वे ट्रंप के संबोधन के दौरान महासभा कक्ष में नहीं पहुंचे। इसके बजाय, जब ट्रंप ने बोलना शुरू किया तो निचले स्तर के कर्मचारी और प्रतिनिधि वहां मौजूद थे।

अमेरिका-डेनमार्क-ग्रीनलैंड समझौते पर किए हस्ताक्षर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्कटिक और उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनाने की ट्रंप की बार-बार की गई अपीलों को लेकर बढ़े तनाव को कम करने की दिशा में भी एक कदम ▶▶| शेष पेज 4 पर

सीजीपीएससी गड़बड़ी मामले में 3700 पन्नों की चार्जशीट पेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बहुचर्चित सीजीपीएससी पेपर लीक और चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी के मामले में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, उत्कर्ष चंद्राकर और चेतन बोरघरिया के खिलाफ 3700 पन्नों का चालान पेश किया है। इस चार्जशीट में 99 पन्नों में समरी है। ईडी ने आरोप लगाया है कि सीजीपीएससी गड़बड़ी में टामन सिंह ने कुछ सरकारी कर्मचारियों और निजी लोगों के साथ मिलकर पेपर लीक करने और चयन प्रक्रिया में हेरफेर की साजिश रची।

कैश-बैंक ट्रांजेक्शन से अवैध रकम जुटाने का दावा

ईडी की चार्जशीट में लगाए गए आरोप के अनुसार पेपर लीक-चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी के दौरान अवैध रूप से ली गई रकम का लगभग आधा हिस्सा कैश में तथा आधा बैंक खातों के जरिए लिया गया। यह रकम अलग-अलग बैंक खातों के जरिए कई स्तरों पर ट्रांजेक्शन कर रोटेट किया गया है। ईडी इस रकम के स्रोत और मनी ट्रेल का पता लगाने में जुटी है। जांच के दौरान सोनवानी से पूछताछ में अपराध से हुई आय का पता लगाने, पैसों के लेन-देन की कड़ी स्थापित करने और मामले में शामिल दूसरे लोगों की पहचान करने की कोशिश की गई।

चंद्राकर पहले हुआ गिरफ्तार

ईडी ने इससे पहले कोचिंग संचालक उत्कर्ष चंद्राकर को गिरफ्तार किया था। ईडी का आरोप है कि पैसे लेकर रिश्तेदारों समेत पसंदीदा अभ्यर्थियों का वरिष्ठ सरकारी पदों पर चयन कराने की कोशिश की गई। इनमें डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी जैसे पद शामिल थे। उल्लेखनीय है कि ईडी ने पूर्व चैयरमैन सोनवानी को 25 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वे जेल में है।

वंदे मातरम् की सुनवाई में 'नक्सली' टिप्पणी, सुप्रीम कोर्ट में भड़के वकील

सॉलिसिटर जनरल मेहता के बोल पर भड़के वरिष्ठ अधिवक्ता मुरलीधर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की बेंच में मंगलवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सीनियर वकील डॉ. एस मुरलीधर के बीच 'नक्सलाइट' वाली टिप्पणी को लेकर तीखी नोकझोंक हो गई। सीजेआई की बेंच में वंदे मातरम मामले पर सुनवाई हो रही थी, इस दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि सीजेआई की बेंच को दोनों वकीलों के बीच में दखल देना पड़ गया।

वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर ने सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्र गीत वंदे मातरम् से जुड़ी सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा 'नक्सलियों' शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे तुरंत वापस लेने की मांग की। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने वंदे मातरम् को मिली कानूनी सुरक्षा को चुनौती देने संबंधी कर्नाटक संगीतकार टी. एम. कृष्णा, जिनका प्रतिनिधित्व मुरलीधर कर रहे हैं, की याचिका पर सरकार से जवाब मांगा है। न्यायालय ने सरकार से 1986 के उस फैसले को ध्यान में रखने के लिए भी कहा, जिसमें बच्चों को राष्ट्रगान न गाने पर दंडनीय कार्रवाई से संरक्षण दिया गया है। मुरलीधर ▶▶| शेष पेज 4 पर

सीजेआई सूर्यकांत बोले- आगे के लिए बचा कर रखें दलील

सॉलिसिटर जनरल की नक्सलियों की सोच वाली टिप्पणी पर विवाद

इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उन्हें टोकते हुए कहा, कानून संविधान के हिसाब से बनता है। नक्सलियों की सोच के हिसाब से कानून नहीं बनाया जा सकता। मेहता की इसी टिप्पणी पर मुरलीधर ने घोर आपत्ति जताई और कहा, 'सॉलिसिटर ने अभी जिस उक्ति का इस्तेमाल किया है, उसे वापस लें। यह लाइव जा रहा है। मैं नहीं चाहता है कि सॉलिसिटर की यह उक्ति लाइव जाए। मैं इसपर कड़ी आपत्ति करता हूं। सॉलिसिटर वह शब्द दोहराएं, जो उन्होंने याचिकाकर्ता के लिए इस्तेमाल किए हैं।

टिप्पणी वापस लेने पर हुई बहस

सॉलिसिटर जनरल ने कहा, मैं नहीं चाहता कि कोई सवाल उठाए... उन्होंने कहा कि उन्हें डिसिजन-मेकिंग पर आपत्ति है। यह संविधान के अनुसार है। जवाब में मुरलीधर ने कहा, ये टाल रहे हैं। मिस्टर सॉलिसिटर, प्लीज अपनी उक्ति वापस लें।

सरकार के फैसलों पर जताई आपत्ति

बेंच के सामने मुरलीधर ने दलील दी कि केंद्र सरकार ने बिना राष्ट्रीय सहमति बनाए, बिना पर्याप्त रूप से सोचे-विचारे वंदे मातरम पर संसद से संशोधन जल्दबाजी में पारित करा लिया। उनका दावा था कि संशोधन में इतना भी परिभाषित नहीं किया गया कि 'राष्ट्रगीत' है क्या। उन्होंने दलील दी, 'आदर्श रूप में इन चीजों के लिए जनमत तैयार किया जाना चाहिए।' उनके मुताबिक कानून बनाने की प्रक्रिया 'ऊपर से नीचे की ओर' चलना सही नहीं है।

कैंसर की दवा के अत्यधिक कीमत पर सुप्रीम कोर्ट हैरान

2700 की दवा 27 हजार में, कोर्ट ने कहा-डकैती

सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की जरूरी दवाओं की अत्यधिक कीमतों पर मंगलवार को हैरानी जताते हुए इसे मरीजों के साथ दिन-दहाड़े डकैती करार दिया। शीर्ष अदालत ने इस बात पर गौर किया कि कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एक दवा का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 27,000 रुपये रखा गया था, जबकि खुदरा विक्रेताओं को यह 2,700 रुपये में उपलब्ध कराई गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति ▶▶| शेष पेज 4 पर

सीएम साय ने कहा-

भूपेश के काफिले पर हमले के पीछे कांग्रेस की गुटबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

असम में उपचुनाव प्रचार के दौरान भूपेश बघेल और गौरव गोगोई के काफिले पर हुए हमले के मामले में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, पंजाब में भी भूपेश बघेल का विरोध हुआ और असम में भी विरोध हो रहा है। वहीं भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और सांसद संतोष पांडे ने इसे कांग्रेस की गुटबाजी का असर बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा, इसके पहले भूपेश बघेल पंजाब के प्रभारी थे, वहां भी ▶▶| शेष पेज 4 पर

पूरा प्रशासन भाजपा के वर्कर की तरह काम कर रहा : बघेल

मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, दौरे के दौरान हम लोग लगातार एडिशनल एसपी के संपर्क में थे। उनके आश्वासन पर सब कुछ सही होने पर हम लोग वहां का दौरा कर रहे थे, लेकिन कुछ दूर जाते ही हमारे काफिले की दो गाड़ियों पर पथराव हुआ। यहां तक की वापस आते समय भी यही घटना हुई। पुलिस प्रशासन को हमने जानकारी दी, एसपी से मिले ▶▶| शेष पेज 4 पर

एशियन गेम्स: गोल्ड का खुला खाता

वुमन क्रिकेट टीम ने दिलाया सम्मान

- स्मृति के अर्धशतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को दी मात
- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| निशिन

भारत का स्वर्ण पदक का खाता खुल गया है। भारत की बेटियों ने क्रिकेट में स्वर्ण पदक दिलाया। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया ने 147 रन ▶▶| शेष पेज 4 पर

__राष्ट्रपति-पीएम ने दी बधाई :__ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी और कहा कि उनका असाधारण प्रदर्शन, टीम भावना और दृढ़ संकल्प देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

केंद्रीय मंत्रियों की बैठक आज

__नई दिल्ली।__ केंद्रीय मंत्रियों की दो दिवसीय चिंतन बैठक बुधवार से शुरू होगी, जिसमें सुधारों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए शासन और नीति-निर्माण के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा होने की उम्मीद है। 23 और 24 सितंबर को सेवा तीर्थ में मंथन सत्र आयोजित किया जाएगा और इसमें पूरी मंत्रिपरिषद शामिल होगी।

देवभोग
सेहत का वरदान
"हमर किसान के उत्पाद - हर घर के स्वाद"

"छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित (CGCDF - देवभोग) द्वारा दुग्ध उत्पादक किसानों से खरीदे जाने वाले दूध की क्रय दरों में दिनांक- 21.09.2026 से वृद्धि की गई है। इससे किसानों को उच्च गुणवत्ता युक्त दूध के लिये अधिक भुगतान प्राप्त होगा।"

"दूध उत्पादक किसानों के लिए बड़ी राहत!
"CGCDF (देवभोग) द्वारा किसानों से दूध क्रय दरों में वृद्धि"

दूध (FAT % & SNF %)	नवीन दर* (प्रति लीटर)
Fat 4.5 % & SNF 8.5%	₹ 43.58 प्रति लीटर
Fat 5.0 % & SNF 8.5%	₹ 47.05 प्रति लीटर
Fat 6.0 % & SNF 9.0%	₹ 52.00 प्रति लीटर

नोट :-*शासन के द्वारा दी जाने वाली ₹ 2.50/- अनुदान राशि सहित

" उत्तम गुणवत्ता हेतु उत्तम दाम "
" किसानों की आय में वृद्धि, दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन और छत्तीसगढ़ में दुग्ध क्रांति को नई गति।"

किसानों को अधिक भुगतान | दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा | ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती | समृद्ध किसान समृद्ध छत्तीसगढ़

'देवभोग' दूध एवं दुग्ध पदार्थ का वितरक एवं मिल्क पार्लर संचालक बनने के लिए संपर्क करें:
93035-41130, 88772-77770
छत्तीसगढ़ राज्य का सहकारी दुग्ध उत्पाद-दूध, दही, पनीर, घी, छाछ, श्रीखण्ड, पेड़ा, लस्सी, मीठा दही, रबड़ी, खोवा

चिंतन

डिजिटल दुनिया में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

डिजिटल दुनिया ने जहां बच्चों के लिए ज्ञान, शिक्षा और मनोरंजन के दरवाजे खोले हैं, वहीं उनके लिए नए खतरे भी तेजी से बढ़े हैं। बच्चों से जुड़ी यौन शोषण सामग्री इसका सबसे भयावह उदाहरण है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। सरकार को भी समय रहते ऐसे मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए, चूंकि बच्चों की सुरक्षा में एक पल की देरी भी समस्या बढ़ा देती है। इसी को ध्यान में रखते हुए गूगल का भारत से जुड़े ऐसे मामलों की सूचना सीधे भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों तक पहुंचाने की व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ना केवल एक तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए जवाबदेही की जरूरत को स्वीकार करना भी है। अब तक ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री की रिपोर्टिंग में अमेरिका स्थित नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन यानी एनसीएमईसी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 2025 में उसकी साइबरटिपलाइन को दुनियाभर से 2.13 करोड़ रिपोर्ट मिलीं। इनमें 53,000 से अधिक रिपोर्ट ऐसी थीं, जिन्हें तत्काल कार्रवाई या बच्चे के खतरे में होने की दृष्टि से गंभीर माना गया। डिजिटल माध्यमों पर बच्चों को सुरक्षित रखना वैश्विक चुनौती बन चुका है। भारत के संदर्भ में सीधे रिपोर्टिंग का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है, क्योंकि किसी बच्चे के खतरे में होने की स्थिति में समय सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। सूचना जितनी जल्दी स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसी तक पहुंचेगी, उतनी जल्दी संदिग्ध सामग्री हटाने, स्रोत की पहचान करने और संभावित पीड़ित बच्चे तक पहुंचने की कार्रवाई शुरू की जा सकेगी। गूगल से पहले मेटा ने भी इस व्यवस्था पर सहमति जताई है। असली चुनौती उस पूरी डिजिटल व्यवस्था को मजबूत करने की है, जिसमें ऐसी सामग्री तैयार होने से पहले रोकी जाए, अपलोड होते ही पहचानी जाए और प्रसारित होने से पहले उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में भी बच्चों की सुरक्षा के लिए प्लेटफॉर्मों पर तकनीकी उपायों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। एआई और दूसरे डिजिटल औजार जहां शिक्षा और रचनात्मकता के लिए उपयोगी हैं, वहीं इनके दुरुपयोग की आशंका भी बढ़ रही है। भारत के 2026 में संशोधित आईटी नियमों में सिंथेटिक रूप से तैयार ऐसी सामग्री को रोकने के लिए तकनीकी उपायों का भी प्रावधान किया है, जिसमें बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री शामिल है, लेकिन जिम्मेदारी केवल सरकार और कंपनियों की नहीं है। अभिभावकों को भी बच्चों की डिजिटल गतिविधियों के प्रति सजग रहना होगा। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर हर व्यक्ति विश्वसनीय नहीं होता, निजी तस्वीरें या जानकारी साझा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है और किसी संदिग्ध व्यक्ति के दबाव में आने पर चुप रहने के बजाय माता-पिता को तुरंत बताना चाहिए। स्कूलों में भी डिजिटल सुरक्षा को पाठ्यक्रम और जागरूकता कार्यक्रमों का हिस्सा बनाना चाहिए। डिजिटल दुनिया को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की लड़ाई केवल आपत्तिजनक सामग्री हटाने की लड़ाई नहीं है। यह बच्चों के अधिकार, गरिमा और सुरक्षित बचपन की रक्षा की लड़ाई है। तकनीकी कंपनियों को मुनाफे के साथ सुरक्षा की जिम्मेदारी निभानी होगी, सरकार को कानून और प्रवर्तन व्यवस्था मजबूत करनी होगी और समाज को डिजिटल सजगता बढ़ानी होगी। बच्चे जिस दुनिया में भविष्य देख रहे हैं, वह डिजिटल है; इसलिए उस दुनिया में उनका सुरक्षा विकल्प नहीं, बल्कि सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

स्वस्थ और समृद्ध भविष्य के लिए है आयुर्वेद

आयुर्वेद दिवस
डॉ. संजय शुक्ला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली 'एनडीए' सरकार ने 2014 में स्वदेशी चिकित्सा पद्धति 'आयुर्वेद' के लोकव्यापीकरण और विकास को लक्ष्य में रखते हुए प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को 'आयुर्वेद दिवस ' के तौर पर मनाने का निर्णय लिया है। साल 2014 से 2024 तक यह दिवस आयुर्वेद के प्रवर्तक भगवान धन्वंतरि की जयंती धनतेरस के दिन मनाया जाता रहा है। इस साल मनाए जा रहे '11 वें आयुर्वेद दिवस- 2026' की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' (आयुर्वेदा फॉर हेल्दियर टूमारो) निर्धारित किया गया है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जब भारत सहित दुनिया का जनस्वास्थ्य नित नई चुनौतियों और महामारी से जूझ रहा है तब 'निरोगता' ही सभी समस्याओं से मुक्ति का एकमात्र उपाय है। आयुर्वेद दिवस का आयोजन केवल भारत में ही नहीं किया जा रहा है बल्कि दुनिया के अनेक देशों में यह दिवस आयोजित किया जा रहा है। बीते वर्ष 2025 में भारतीय दूतावासों और मिशनों, अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, स्वास्थ्य संगठनों और प्रवासी भारतीय संगठनों के माध्यम से लगभग 150 से अधिक देशों में 'आयुर्वेद दिवस ' आयोजित किया गया। अलबत्ता आयुर्वेद विधा से जुड़े लोगों के लिए यह दिवस एक विरासत का उत्सव मनाने तक सीमित करने की नहीं होना चाहिए बल्कि इस विरासत को भविष्य की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों से जोड़ने के अवसर के तौर पर भी होना चाहिए। आखिरकार 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य पूर्ति में 'स्वास्थ्य' की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत जैसे विकासशील देश में जिसकी बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों और इसके इलाज के बढ़ते खर्च से जूझ रहा है तब सबसे बड़ी जरूरत आरोग्य की है। आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन का विज्ञान है जो मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के साथ -साथ उसमें नैतिक गुणों का प्रादुर्भाव भी करता है जो वैयक्तिक स्वास्थ्य के साथ-साथ सामुदायिक शुचिता में भी सहायक है। आयुर्वेद के जरिए ही आरोग्य संभव है क्योंकि इसमें स्वस्थ रहने और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव और नियंत्रण के लिए विभिन्न मौसम अनुसार आहार, दिनचर्या और परहेज का विशद उल्लेख है। आयुर्वेद पद्धति का मूल सिद्धांत स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी की चिकित्सा है यानि यह सिद्धांत विश्व स्वास्थ्य संगठन 'डब्ल्यूएचओ' के 'प्रिवेंशन इज़ बेटर देन क्योर' के सिद्धांतों से तादात्म्य रखती है। दुनिया भर में बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के मद्देनजर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के साथ आयुर्वेद का भी तादात्म्य स्थापित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार एकीकृत स्वास्थ्य सेवा की ओर कदम बढ़ा रही है जो दुनिया में एक नयी 'स्वास्थ्य क्रांति' का आगाज होगा।

गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा घोषित 'नवीन स्वास्थ्य नीति 2017' में भी आरोग्य यानि वेलनेस को प्राथमिकता दी गई है। वर्तमान परिदृश्य में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान स्वास्थ्य के लिए शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य के साथ ही आध्यात्मिक स्वास्थ्य को भी परिभाषित कर रही है। आश्चर्यजनक तौर पर भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति 'आयुर्वेद' के आचार्यों ने हजारों साल पहले ही इन आयामों को स्वास्थ्य का आधार प्रतिपादित किया है। देश और दुनिया नित नये संक्रामक रोगों के साथ ही जीवनशैली से जुड़ी गैरसंचारी रोगों यानि मधुमेह, हृदयरोग, उच्च रक्तचाप, मोटापा और कैंसर की चुनौतियों से जूझ रही है। देश की एक बड़ी आबादी जिसमें छात्र,युवा और महिलाएं शामिल हैं इन दिनों मानसिक तनाव और मनोरोग के शिकार हैं। भारत जैसे विकासशील देश में गैर संचारी रोगियों की बढ़ते आंकड़े और स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते दबाव के मद्देनजर आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति इन चुनौतियों से निपटने में कारगर हो सकती है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की स्वीकार्यता न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी बढ़ी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व की तीन चौथाई आबादी विभिन्न रोगों के उपचार के लिए पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अपना रही है।

बिलाशक आने वाले कल में जीवनशैली से जुड़ी तमाम बीमारियां जहां सरकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौतियां होंगी वहीं यह आम परिवारों के लिए भी सबसे बड़ा आर्थिक बोझ साबित होगा। दरअसल किसी परिवार में बीमारी केवल एक सदस्य को ही बीमार नहीं करता बल्कि इसकी पीड़ा पूरे परिवार को झेलना पड़ता है। बीमार व्यक्ति की सेवा- सुश्रुषा और इलाज का खर्च जहां परिवार का कमर तोड़ देती है वहीं दूसरी ओर यह परिवार के उत्पादकता को भी प्रभावित करती है जिसका असर देश के अर्थव्यवस्था पर परिलक्षित होता है। पिछले साल हुए एक नेशनल सैंपल सर्वे में पता चला है कि एक साल में करीब 46 फीसदी ग्रामीण और 53 फीसदी शहरी आबादी ने किसी न किसी रूप में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से उपचार कराया है। विश्व समुदाय का भरोसा आयुर्वेद के प्रति बढ़ने के कारण वैश्विक बाजारों में आयुर्वेद उत्पादों की धाक लगातार बढ़ रही है बीते साल 2025 में जहां इसका आकार 16 बिलियन से लेकर 20.4 बिलियन अमरीकी डॉलर। वहीं इस साल 2026 में यह बाजार 24.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंचने तथा 2033 तक 85.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने की संभावना है। देश में आयुर्वेद टूरिज्म का बाजार लगातार बढ़ रहा है फलस्वरूप इस क्षेत्र में काफी संख्या में उद्यमी और चिकित्सक आ रहे हैं जिससे लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

विचारणीय है कि स्वातंत्र्योत्तर भारत में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को वैसा राज्याश्रय नहीं मिला जिसका वह हकदार था। वक्त ने करवट बदला और अब केंद्र सरकार द्वारा इस पद्धति के लोक व्यापीकरण और विकास के लगातार प्रयास किया जा रहा है। सरकार के कोशिशों के बावजूद देश के इस बौद्धिक संपदा के प्रति लोगों में अभी भी भ्रम है फलस्वरूप लोगों की प्राथमिकता में यह दोयम पायदान पर है। पश्चिमी देश जहां आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को बड़ी तेजी से अपना रहा है वहीं अभिजात्य तबका आयुर्वेद को अभी भी केवल सौंदर्य प्रसाधक, यौन शक्तिवर्धक, हेल्थ व फूड सप्लिमेंट माने बैठा है।

उपरोक्त भ्रांतियों के परिप्रेक्ष्य में वस्तुस्थिति यह है कि आयुर्वेद की अधिकांश दवाएं वनस्पतियों से बनती है तथा केवल रस और भस्म में धातुओं का प्रयोग होता है।औषधि निर्माण के दौरान धातुओं का शोधन शास्त्रीय विधि अनुरूप किया जाए और क्वालिफाइड आयुर्वेद विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में इसका सेवन किया जाए तो यह सुरक्षित और असरकारी होता है।आमतौर पर मरीज आयुर्वेद चिकित्सा के शरण में तब आता है जब वह वर्षों - महीनों एलोपैथिक या अन्य पैथियों का उपचार अजमा चुका होता है और कोई लाभ न होने पर आखिर में आयुर्वेद को आजमाना चाहता है तब तक रोग की जीर्णता और गंभीरता दोनों बढ़ जाती है तब भला इस पद्धति से त्वरित लाभ का सोच ही बेमानी है। आजकल आयुर्वेद दवाओं के निर्माण में गुणवत्ता और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दवाओं की गुणवत्ता परीक्षण के लिए ड्रग टेस्टिंग लैबोरेटरी की स्थापना की गई है जहां दवाओं को आधुनिकतम कसौटी पर परखा जा रहा है। आयुर्वेद दवाएं अब टेबलेट और कैप्सूल के रूप में भी उपलब्ध हो रहे हैं जिसके चलते अब इन दवाओं के सेवन में आसानी हो रही है। वैज्ञानिक मानकीकरण के वर्तमान दौर में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को भी वैज्ञानिक मानकों के कसौटी पर खरा उतरना आवश्यक है। केंद्र सरकार में पृथक आयुष मंत्रालय के स्थापना के बाद देश में जहां आयुर्वेद शिक्षा के गुणवत्ता उन्नयन के लिए कारगर प्रयास हुए हैं वहीं इस चिकित्सा पद्धति से जुड़े अनुसंधान और विकास को लगातार प्रोत्साहन मिल रहा है। दुनिया भर में इस चिकित्सा पद्धति की स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में आयुर्वेद में अनुसंधान, प्रमाण और नवाचार को अहमियत दी जा रही है। अलबत्ता आयुर्वेद नवजात शिशु से लेकर बुजुर्गों के लिए भी सुरक्षित, सुलभ और सेहतमंद है। बहरहाल बीमारियों से बचाव और उपचार के बढ़ते आर्थिक बोझ के दृष्टिगत स्वस्थ और समृद्ध भविष्य के लिए आयुर्वेद ही कारगर लिहाजा लिहाजा सरकार और समाज को इसे अपनाने और प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

मंथन
राजेंद्र बज

केवल भौतिक प्रगति ही वास्तविक प्रगति नहीं

विभिन्न स्तर पर आंकड़ों की बाजीगरी में चाहे कितनी ही प्रगति के दावे किए जाते हों किंतु विकृत मानसिकता के कारक तत्वों पर अंकुश लगाने के प्रयासों की आवश्यकता समझी ही नहीं गई है। तकनीकी विकास के साथ-साथ नैतिकता को ताक पर रखते हुए चारित्रिक पतन के गर्त में कब, कहां और कौन जा रहा है, इस पर परिजन भी नजर नहीं रख पा रहे हैं। आधुनिकता की अंधी होड़ में हमारे उच्चस्तरीय नैतिक संस्कारों का विलोपन भी गहन चिंता का विषय है। आए दिन होने वाली हैरतअंगेज अमानवीय घटनाओं के मूल में कामवासना प्रमुख कारण बन रही है। ऐसे में यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि सामाजिक चिंतन की दशा और दिशा को सुनिश्चित आकार देते हुए ऐसे कदम उठाए जाएं जिससे कि स्वस्थ समाज की संरचना हो सके। दरअसल, बदलते दौर में तथाकथित विकास को परिभाषित किया जाना भी अत्यंत आवश्यक प्रतीत होता है। ऐसी स्थिति में हमें अपनी संस्कृति को सर्वथा सुरक्षित रखते हुए प्रगति के नए सोपान तय करना होंगे। दुर्भाग्यवश आधुनिकता की ओट में हम हमारी उच्चस्तरीय नैतिक संस्कारों की परंपरा से विमुख होते जा रहे हैं। प्रगति की अवधारणा को सार्थक सिद्ध करने के लिए मात्र भौतिक उपलब्धि को पैमाना बनाना, कतई उचित नहीं होगा। सामाजिक विकृतियों के निदान हेतु प्रभावी पहल किया जाना समय की मांग है। धनबल और बाहुबल के साथ-साथ राजनीतिक संरक्षण के चलते आपराधिक गतिविधियां विस्तार पा रही है। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जगत में विसंगतियों के जाल का जंजाल निरंतर बवाल खड़े कर रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में विलंबित न्याय रूपी अन्याय प्रकारांतर से सामाजिक विकृतियों का जनक सिद्ध हो रहा है। शिक्षा संस्थान उच्चस्तरीय शिक्षा का दंभ भरते हुए विद्यार्थियों में नैतिकता का पाठ पढ़ाने में कोताही बरत रहे हैं। हमारे प्राचीनकालीन रीति रिवाज और आदर्श परंपराओं को सर्वथा अप्रासंगिक समझ लिया गया है। असामाजिक तत्वों की आर्थिक स्थिति में अप्रत्याशित रूप से होती बढ़ोतरी आखिर क्या सिद्ध करती है ? संगीन अपराधों के दोषी तत्वों को राजनीतिक संरक्षण, संचार तंत्र में परोसी जा रही अश्लीलता तथा कानून और व्यवस्था का मखौल उड़ाती मानसिकता नैतिकता को तार-तार कर रही है। आमतौर पर नीति निर्माता अपनी राजनीतिक जमावट में तल्लीन है और कानून और व्यवस्था के पालनहार अपने मूलभूत कर्तव्यों के निर्वहन के प्रति उदासीन है। यदि ऐसा नहीं है, तो क्यों नहीं राजनीति में उच्चस्तरीय आदर्श स्थापित किए जाकर स्वस्थ समाज की संरचना के प्रति प्रशासन तंत्र को जवाबदार ठहराया जाता? शासन-प्रशासन अलग-अलग स्तर पर अलग-अलग जिम्मेदारियों का निर्वहन करें लेकिन तमाम जिम्मेदारियों के निर्वहन का सार तत्व स्वस्थ समाज की संरचना में ही अंतर्निहित माना जाना चाहिए। रिश्तों की मर्यादा पर कलंक कालांतर में घर-परिवार एवं सामाजिक जीवन में ऐसा भी उलटफेर कर सकता है जो हमें आखेट युग की ओर ले जाएं। आधुनिकता के नाम पर बनावट के आधार पर होती जमावट विकास का खोखलापन दर्शाती है। जरूरत इस बात की है कि शासन प्रशासन के साथ-साथ विभिन्न परिवारों के परिजन भी स्वस्थ समाज की संरचना के सूत्रधार बने। इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारी संस्कृति मूल रूप से धर्म आधारित रही है। आखिर हमें ऐसा विकास तो नहीं चाहिए जो विनाश की कगार पर टिका हो! समय रहते ऐसे कदम उठाए जाने चाहिए जिससे कि व्यक्तियों के आचार-विचार और व्यवहार में सकारात्मक सोच लाते हुए उन्हें उच्चस्तरीय संस्कारों से परिपूर्ण किया जाए। अन्यथा समाज में दिनोंदिन नैतिकता का पतन आने वाले समय में हमारी शाश्वत संस्कृति को विलुप्त कर देगा। इसके साथ-साथ संयुक्त परिवार की अवधारणाओं को बढ़ावा देना भी वर्तमान सामाजिक परिवेश में आवश्यक प्रतीत होता है। निश्चित रूप से समाज के बीच से आ रहे नकारात्मक संदेशों को लेकर हमें सचेत हो जाना चाहिए। अन्यथा भावी पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। समय रहते सकारात्मक सोच के साथ नैतिक मूल्यों के उत्थान की दिशा में हमें जुटने की जरूरत है। बदलते दौर में विकास के सही मायनों को समझने की नितांत आवश्यकता है। एकमात्र भौतिक प्रगति को ही हम विकास का पर्याय नहीं मान सकते। जब तक नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ उच्च स्तरीय संस्कारों का बीजारोपण नहीं हो जाता, तब तक विकास को सच्चे अर्थों में साकार भी नहीं किया जा सकता। दरअसल हमें सकारात्मक चिंतन के साथ अपनी गौरवशाली संस्कृति को आधुनिक देश काल और परिस्थितियों के संदर्भ में अक्षुण्ण रखना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यैक्तिक अहंकार से प्रगति रुक जाती है

संकलित
दर्शन

निरन्तर विकसित होते रहना यह जीवन धर्म है। प्रगति जीवन के अस्तित्व की सूचक है। जहां जीवन है वहां प्रगति है, विकास है। जड़ता में जीवन कहां ? मानव ही नहीं पशु पक्षियों में भी विकास की प्रक्रिया गतिमान रहती है। मानव की विकास प्रक्रिया में एक विशेषता है कि वह अपने विकास को सम्यक दिशा दे सकता है। अक्सर प्रत्येक व्यक्ति अपना श्रेष्ठ विकास ही चाहता है किन्तु फिर भी वह उसे पाने में असफल रहता है तो उसका सबसे बड़ा कारण होता है अहंकार। अहंकार व्यक्ति को सही दिशा में बढ़ने नहीं देता। मानव उस दिशा में दो कदम बढ़ा भी देता है तो उसका अहंकार आकर खड़ा हो जाता है। और वो आगे बढ़े हुए कदम वापस पीछे ले जाता है । अर्हम् को प्राप्त करने के लिये अहं का त्याग करना होगा। अर्हम परमात्मा का वाचक शब्द है। हम इसके उपासक हैं किन्तु अहम् का त्याग किये बिना अर्हम् की आराधना कैसे होगी ? आज अधिकांश व्यक्ति बहुत अधिक महत्वाकांक्षी हो गये हैं उन्हें अपनी पूछ और इज्जत चाहिये किन्तु वे औरों को इज्जत नहीं देना चाहते। यह अहंकार ही हमारी सारी विकास योजनाओं को असफल किये जा रहा है। हम ऊंचा लक्ष्य रख कर आगे बढ़ें, यह बुरा नहीं किन्तु अहंकार को छोड़े बिना उस लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती।

रावण की वजह से बना बैद्यनाथ मंदिर

संकलित
प्रेरणा

त्रेता युग की घटना है। रावण शिव जी का परम भक्त था। रावण ने हिमालय क्षेत्र में शिवलिंग बनाकर कठोर तप किया था। इस तप से शिव जी प्रसन्न होकर प्रकट हुए। भगवान ने रावण से वरदान मांगने के लिए कहा। रावण ने शिव जी से कहा कि मैं आपका ये शिवलिंग लंका में स्थापित करना चाहता हूं। शिव जी ने रावण की इच्छा पूरी होने का वरदान दिया, लेकिन साथ में ये भी कहा कि रास्ते में तुम ये शिवलिंग जहां रख दोगे, शिवलिंग वहीं स्थापित हो जाएगा। इसके बाद तुम ये शिवलिंग आगे नहीं ले जा पाओगे। रावण ने शिव जी का बात मान ली और शिवलिंग उठाकर लंका की ओर चल दिया। रास्ते में रावण ने गलती से एक जगह शिवलिंग रख दिया। थोड़ी देर बाद वह शिवलिंग फिर से उठाने लगा, लेकिन शिवलिंग वहीं स्थापित हो गया था। बहुत कोशिश करने के बाद भी रावन शिवलिंग को उठा नहीं सका। अंत में हिम्मत हारकर रावण वहां से चला गया। रावण के जाने के बाद सभी देवी-देवता, ऋषि-मुनि और अन्य लोग इस शिवलिंग के पास पहुंचे और शिव पूजा की। सभी की पूजा से भगवान प्रसन्न हुए और प्रकट हुए। सभी भक्तों ने शिव जी से प्रार्थना की कि अब से वे यहीं निवास करें, ताकि भक्त आसानी से दर्शन-पूजन कर सके और उनका कल्याण हो सके। भक्तों की बात सुनकर शिव जी इसी शिवलिंग में ज्योति स्वरूप में विराजित हो गए। बाद ये ज्योतिर्लिंग बैद्यनाथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

अंतर्मन

आज की पाती

प्याज की बढ़ती कीमत महंगाई का एक और झटका

अगर देश में कोई भी खाने की चीज, वो भी गरीब से गरीब के लिए भी रोजमर्रा में प्रयोग होने वाली हो, महंगी हो जाए तो सरकारों को उसकी कीमत कम करने के उपाय प्राथमिक आधार पर करनी चाहिए। विकास के वादे और दावे तब तक खोखले माने जा सकते हैं, जब तक देश में पैदा होने वाली चीजें महंगी हों। अब तो सरकारों को प्याज की बढ़ती कीमतों के लिए कुंभकर्णी नींद से जाग जाना चाहिए, क्योंकि अब देश के कुछ राज्यों में इसकी कीमत 70 रुपए प्रति किलो से ऊपर हो चुकी है। वैसे प्याज की कीमतें इससे पहले भी बढ़ती थी और इस पर खूब राजनीति भी होती आई है। प्याज पर ही नहीं, बल्कि हर तरह की महंगाई को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़े जाते हैं। *- मनोहर चौहान, दुर्ग*

ट्रेंड

सिस्टम का कब्ज़ा

देश पर एक सिस्टम का कब्ज़ा हो गया है, एक-एक करके हर स्तर पर। RSS और "हमारे दो, हमारे दो" की अगुवाई में, कुछ गिने-चुने लोगों ने मिलकर भारत के हर संस्थान पर अपना कब्ज़ा जमा लिया है। इस कब्ज़े, भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ़ छात्रों की आवाज़ ही इस सिस्टम के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

बेटियों को बधाई

महिला क्रिकेट टीम ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया है कि चैंपियन कैसे खेलते हैं। एशियाई खेल 2026 में गोल्ड मेडल जीतने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बहुत-बहुत बधाई।
- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उत्तरप्रदेश

तिरंगे का मान

एशियाई खेल 2026 के महिला क्रिकेट फाइनल में श्रीलंका को हराकर गोल्ड मेडल जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बहुत-बहुत बधाई। आपकी शानदार जीत ने वैश्विक मंच पर तिरंगे का मान एक बार फिर बढ़ाया है।
- **डॉ. मोहन यादव,** सीएम, मध्यप्रदेश

जनता को उम्मीदें

बारां की जनता को आम आदमी पार्टी से बहुत उम्मीदें हैं। अब समय आ गया है कि इस क्षेत्र के विकास में सकारात्मक और ऐतिहासिक बदलाव लाया जाए और पूरे राजस्थान के लिए मिसाल कायम की जाए।
- **अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

चीन के अंतरिक्ष स्टेशन मिशन में शामिल होंगे पाक के यात्री

चीन के अंतरिक्ष यात्री केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे दो पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री जल्द ही चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर मिशन में शामिल होंगे। एक वरिष्ठ चीनी अधिकारी ने यह जानकारी दी। चीन ने पिछले साल अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान के अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से करीब 400 किलोमीटर ऊपर कक्षा में मौजूद अपने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजने की योजना की घोषणा की थी। ये अंतरिक्ष यात्री स्टेशन पर जाने वाले पहले विदेशी मेहमान होंगे। 'चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी' ने इस साल अप्रैल में अंतरिक्ष मिशन प्रशिक्षण के लिए दो पाकिस्तानी उम्मीदवारों मोहम्मद जीशान अली और खुर्रम दाऊद के चयन की घोषणा की थी। दोनों चीन के अंतरिक्ष

यात्री अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के उप मुख्य डिजाइनर यांग लीवेई ने कहा, ' 'हमने यह भी घोषणा की है कि दो पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री वर्तमान में अंतरिक्ष यात्री केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं। निकट भविष्य में वे हमारे अंतरिक्ष यात्रियों के साथ चीन के अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरेंगे।' सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, यांग ने मंगलवार को चीन के नए दौर के अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों पर आयोजित एक सम्मेलन में यह टिप्पणी की।

ऑफ बीट

एयर प्यूरिफायर नहीं रोकते हैं श्वसन संबंधी संक्रमण

कोविड–19 के दौरान इस तरह की बातें सामने आईं कि घर के अंदर वायु गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए , साथ ही दावा किया गया कि इससे

वायरस के फैलने का खतरा कम होगा, लेकिन इन दावों का समर्थन करने के लिए साक्ष्यों की कमी है। इसलिए मैंने और मेरे सहकर्मियों ने कोविड से पहले के साक्ष्यों की समीक्षा की और पाया कि वायु शोधन वास्तव में श्वसन संक्रमण संबंधी बीमारियों को कम नहीं करता। वायु उपचार उपकरणों के दो मुख्य प्रकार हैं : फिल्टर और वायु कीटाणुनाशक। फ़िल्टर हवा से उन कणों को हटाने का काम करता है जिनमें संक्रामक वायरस हो सकते हैं। वायु कीटाणुनाशक हवा में वायरस को निष्क्रिय करने के लिए पराबैंगनी विकिरण या ओजोन का इस्तेमाल करते हैं। साक्ष्यों से यह बात सामने आई कि इन प्रौद्योगिकियों ने बीमारी और वायरस से संक्रमण की गंभीरता को कम नहीं किया। हमारी समीक्षा से यह निष्कर्ष निकला कि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि वायु उपचार प्रौद्योगिकियां श्वसन संबंधी बीमारियों के जोखिम को कम करती हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
बुधवार 23 सितंबर 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वादशी
वर्ष : 26, अंक : 183
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 33.0
न्यून. 26.3

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

5 प्रणति ने वॉल्ट फाइनल के लिए...

विचार पेज
स्वस्थ और समृद्ध भविष्य के...

करीब पखवाड़ेभर पहले दिल्ली में पीजी के ढहने से पांच छात्रों सहित सात लोगों की मौत हो गई थी और चार गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस घटना के बाद राज्य में शासन की ओर से जर्जर छात्रावासों की सुरक्षा को लेकर व्यापक दिशानिर्देश जारी किए गए थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी सख्ती दिखाते हुए जोखिम वाले भवनों को सुधारने अल्टीमेटम दिया था। इसके बावजूद अफसरों ने इस दिशा में ठोस प्रयास नहीं किया, जिस वजह से प्रदेश में कई स्थानों पर जर्जर छात्रावासों में ही छात्र रहने पर विवश हैं।

धमतरी-दीपनारायण शर्मा/ राजनांदगांव-हफीज खान/ जगदलपुर - शैलेन्द्र पांडेय/ भिलाई-दुर्ग-देवीलाल साहू की विशेष रिपोर्ट

डर के साये में 'छात्रों का वास'

छात्रावासों की बदहाल स्थिति, सुधारने के फरमान के बावजूद भी नहीं बदले हालात

छत से कांक्रीट, दीवार से झड़ रहे प्लास्टर

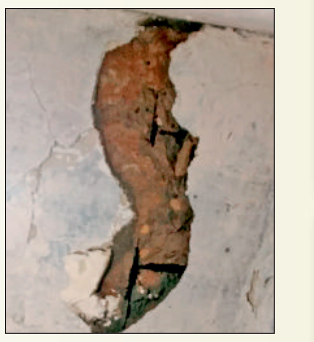

धमतरी

प्री-मेट्रिक और पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावासों की स्थिति इतनी दयनीय है कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जिसके चलते एक छात्रावास को खाली कर दिया गया है जबकि दूसरे में गिने-चुने बच्चे रह गए हैं। बाकी दुर्घटना के डर से पलायन कर गए हैं। दिल्ली में एक पीजी छात्रावास में हुई दुर्घटना में कई छात्रों की मौत की गूंज पूरे देश में है, लेकिन धमतरी में इस घटना से कोई सबक नहीं लिया गया। प्री मैट्रिक छात्रावास की जर्जर स्थिति के बावजूद इसी भवन में छात्रों को रखा गया है, जबकि इसी भवन के समकालीन बने पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति छात्रावास के भवन की स्थिति को देखते हुए छात्रों को हटकेशर छात्रावास में शिफ्ट कर दिया गया है। प्री-मैटिक अनुसूचित जाति छात्रावास जर्जर भवन में संचालित है। भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए पालक इस छात्रावास में अपने बच्चों को रखना नहीं चाहते हैं। यही कारण है कि इस छात्रावास में छात्रों की संख्या मात्र 7 है। छात्रावास की छत से कांक्रीट और दीवार से प्लास्टर उखड़ गए हैं। शौचालय और बाथरूम की स्थिति तो और भी खराब है। आए दिन छत से कांक्रीट गिरने के कारण हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उल्लेखनीय है कि जोधापुर स्थित यह छात्रावास भवन पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास भवन के साथ बनाया गया था। पोस्ट मैट्रिक छात्रावास के छात्रों को तो स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि प्री-मैट्रिक छात्रावास के छात्रों के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

हरिभूमि लाइव

शासन ने दिए थे ये निर्देश

सभी हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूल और बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण और सेफ्टी ऑडिट कराया जाए। पुराने और जर्जर भवनों की विशेष रूप से जांच की जाए। खासकर स्कूल, पुस्तकालय, छात्रावास और अन्य सार्वजनिक भवनों की। जिन भवनों में जान-माल के लिए खतरा या गंभीर जोखिम मिले, उन्हें चिन्हित कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। अधिकारियों को कहा गया कि किसी दुर्घटना या शिकायत का इंतजार न करें, बल्कि संभावित खतरे पहले से पहचानकर कार्रवाई करें। जोखिमपूर्ण भवनों की जांच या कार्रवाई में लापरवाही होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात कही गई थी।

बारिश में टपकती है छत, खतरे में रहते हैं बच्चे

राजनांदगांव

शहर के महेश नगर में संचालित पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास के कई कमरों की छत जर्जर हो चुकी है। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता है और दीवारों में सीपेज नजर आता है। इस भवन के कई हिस्से जर्जर होने के कारण यहां बच्चे खतरों के बीच रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। छात्रावास की जर्जर भवन को लेकर शिकायतों के बाद भी इस पर कार्रवाई नजर नहीं हुई है। इसके चलते बच्चे खतरों के साये में रहना पड़ रहा है। आदिवासी शेष पेज 4 पर

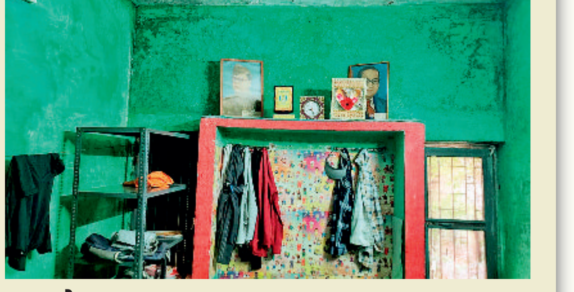

हादसे का खतरा

इस जर्जर छात्रावास में नए भवन की दरकार भी लंबे समय से महसूस की जा रही है, लेकिन ऊपरी तौर पर रंग रोगन कराकर खामियों को ढकने का प्रयास किया जाता है। छात्रावास भवन परिसर बाहर से ही देखने में जर्जर दिखाई देता है। ऐसे में समय पर भवन की मरम्मत नहीं होने से कभी भी हादसा हो सकता है।

टिन शेड वाला 50 साल पुराना जर्जर छात्रावास आज भी ठसाठस

जगदलपुर

समय के साथ शिक्षा की सुविधाएं बस्तर के दूरस्थ इलाकों तक पहुंची हैं। ब्लॉक स्तर पर हाईस्कूल और कॉलेज खुलने से अब ग्रामीण विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए पहले की तरह शहर का रुख नहीं करना पड़ता। इसके बावजूद शहर का करीब पांच दशक पुराना नेहरू छात्रावास शेष पेज 4 पर

नगर निगमों के पास पीजी का कोई रिकॉर्ड नहीं

भिलाई-दुर्ग

दुर्ग जिले में निजी पीजी और हॉस्टलों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इनकी निगरानी व्यवस्था सवालों के घेरे में है। जानकारी के अनुसार जिले में 200 से अधिक निजी पीजी और हॉस्टल संचालित होने का अनुमान है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि नगर निगम अधिकारियों के पास इनके संचालन और संख्या से संबंधित कोई एकीकृत डेटा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इन संस्थानों में रहने वाले बच्चों की सुरक्षा और सुविधाओं की निगरानी कौन कर रहा है? भिलाई शहर में सुपेला, स्मृति नगर, नेहरू नगर, कोहका, जुनवानी, वैशाली नगर, सेक्टर-10, जवाहर नगर, खुर्सीपार, शांति नगर, रामनगर राधिका नगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, रामनगर, वैशाली नगर मैत्री नगर, मैत्री कुंज, शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

कंपनियां खुद बढ़ा सकेंगी हवाई किराया

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार आगामी त्योहारी मौसम की व्यस्त मांग के बीच हवाई किराए पर किसी तरह की सीमा नहीं लगाएगी, लेकिन एयरलाइन कंपनियों को टिकट के दाम उचित स्तर पर रखने की सलाह देगी।

रानी मुखर्जी की मां कृष्णा का निधन

मुंबई। अभिनेत्री रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी का 75 वर्ष की उम्र में मंगलवार दोपहर निधन हो गया। फिल्म निर्माण कंपनी यश राज फिल्म्स ने एक बयान में कहा, "अत्यंत दुखी मन से हम यह सूचित करना चाहते हैं कि रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी (75) का आज दोपहर निधन हो गया।"

1 करोड़ की ड्रग तस्करी नाइजीरियन गिरफ्तार

इंदौर। राजस्व आसूचना निदेशालय ने एक करोड़ रुपए से ज्यादा के मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में नाइजीरिया की 24 वर्षीय महिला को इंदौर में गिरफ्तार किया है। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर विदेशी महिला को इंदौर के तीन इमली चौराहे के पास रोका गया, जब वह बस के जरिये पुणे जाने वाली थी।

ट्राई का नया फरमान

डाटा अनिवार्य नहीं, अब कॉल एसएमएस वाले खास रीचार्ज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

ट्राई ने दूरसंचार कंपनियों के लिए 'वॉयस कॉल' और 'एसएमएस' के अलग से सस्ते शुल्क वाले वाउचर जारी करना अनिवार्य कर दिया है। नए नियम के तहत इन सेवाओं के साथ डेटा यानी इंटरनेट प्लान लेने की जरूरत नहीं होगी। दूरसंचार नियामक के इस कदम से ग्राहकों को कम लागत पर फोन में सिर्फ वॉयस कॉल और एसएमएस की सेवाएं मिल सकेंगी। कंपनियों को केवल 'वॉयस कॉल' और एसएमएस के लिए अलग 'प्लान' भी उपलब्ध कराने होंगे।

30 दिन की होगी वैधता: नए नियमों के तहत दूरसंचार कंपनियों को 30 दिन से अधिक वैधता वाला कम से कम एक एसटीवी भी उपलब्ध कराना होगा। जो वॉयस, एसएमएस और डेटा वाले एसटीवी की वैधता अवधि के अनुरूप हो।

ग्राहकों को मिलेगी राहत

इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों और अधिक भुगतान नहीं कर पाने वाले ग्राहकों को राहत मिलने की उम्मीद है। ट्राई ने कहा कि यह फैसला उसके उस अवलोकन के बाद लिया गया है जिसमें पाया गया कि दूरसंचार कंपनियां अलग-अलग वैधता अवधि वाले वॉयस, एसएमएस और डेटा के एसटीवी तो उपलब्ध कराती हैं।

सरकार ने लागू किए नए नियम

साबुन हो या टूथपेस्ट, पैकेट में दिखेगा वेज-नॉनवेज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट और कॉस्मेटिक्स खरीदते समय अब ग्राहकों के लिए यह पहचानना आसान होगा कि प्रोडक्ट शाकाहारी मूल का है या गैर-शाकाहारी मूल का। सरकार ने पैकेज्ड कॉस्मेटिक और अन्य संबंधित उत्पादों की लेबलिंग को लेकर नियमों में बदलाव किया है। नए नियम 21 सितंबर 2026 से लागू हो गए हैं। नए नियम के तहत प्रोडक्ट की पैकेजिंग पर वेज और नॉन-वेज मूल की पहचान के लिए शेष पेज 4 पर

क्या इसका मतलब प्रोडक्ट की गुणवत्ता भी पता चलेगी?: हरी या लाल-भूरी बिंदी प्रोडक्ट की गुणवत्ता, सुरक्षा या असरदार होने की रेटिंग नहीं है। यह सिर्फ उसके वेजिटेरियन या नॉन-वेजिटेरियन मूल की पहचान के लिए है।

ग्राहकों के लिए क्या बदलेगा?

इस बदलाव का सबसे सीधा असर प्रोडक्ट चुनने की जानकारी पर पड़ेगा। अभी किसी कॉस्मेटिक या पर्सनल केयर प्रोडक्ट में इस्तेमाल होने वाली सभी सामग्रियों के स्रोत को समझना आम ग्राहक के लिए आसान नहीं होता। पैकेट देखते ही यह पता चल सकेगा।

अनंत नाग को मिला दादासाहेब फाल्के पुरस्कार

कार्तिक-ममूटी बेस्ट एक्टर, यामी बेस्ट एक्ट्रेस

एजेंसी ▸▸ एकतानगर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को भारतीय सिनेमा की शीर्ष हस्तियों को वर्ष 2024 के लिए 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस दौरान दिग्गज कन्नड़ अभिनेता अनंत नाग को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार दिया गया, जबकि यामी गौतम, ममूटी और कार्तिक आर्यन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। आदित्य सुहास जांभले द्वारा निर्देशित शेष पेज 4 पर

राष्ट्रपति बोलीं- फेमस स्टार हानिकारक चीजों का प्रचार न करें: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं चाहूंगी कि प्रत्येक ज्यूरी पैनल में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। फिल्म कलाकार बहुत लोकप्रिय होते हैं, उनमें देशवासियों विशेषकर युवाओं को प्रभाविक करने की क्षमता होती है। मैं ये अनुरोध करना चाहूंगी कि लोकप्रिय कलाकार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पदार्थों का एंडोर्समेंट न करें।

72 साल में 7 से 45 अवॉर्ड

साल 1954 में नेशनल फिल्म अवॉर्ड सिर्फ 7 पुरस्कारों से शुरू हुए थे, अब 72 साल बाद 45 पुरस्कार दिए गए। इनमें 26 फीचर फिल्म, 16 नॉन-फीचर फिल्म, 2 सिनेमा पर लेखन और 1 दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड शामिल है।

आर्टिकल 370 को तीन पुरस्कार

'आर्टिकल 370' को कुल तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले, जिनमें सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन शामिल हैं। विजय गांगुली को 'स्त्री 2' के 'आज की रात' गाने के लिए सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी का पुरस्कार मिला।

चिन्हारी
अजय वर्मा

राजसी ठाठ का गवाह रायपुर का टाउन हाल

रायपुर का टाउन हाल शहर का ऐतिहासिक इमारत है। अंग्रेजों ने इसे सन 1887 में बनवाया था। तब इसका नाम महारानी विक्टोरिया के नाम विक्टोरिया हाल रखा गया था। इस भवन में दर्ज शिलालेखों से पता चलता है कि यह बहुत ही कम रकम में बन कर तैयार हो गया था। कुछ राजाओं और महापुरुषों ने हजार दो हजार रूपये दान देकर इसके निर्माण में सहयोग किया था। असल में टाउन हाल रायपुर के कलेक्टोरेट भवन से लगा हुआ बना है। कलेक्टोरेट भवन से लगकर एस पी ऑफिस और पास में कचहरी भी है। इस पूरे परिसर की नींव ही रायपुर के बूढ़ा तालाब के किनारे बने किले के पत्थरों से ही रखी गई थी। बताया जाता है रायपुर के भोंसला राजा कमजोर और लाचार हो चुके थे। बाहरी आक्रमण वे झेल नहीं पाए। संभवतः अंग्रेजों के आने के पहले वे महाराष्ट्र लौट गए थे। राज परिवार से कुछ बच गए होंगे तो उन्होंने रायपुर के ग्रामीण इलाके में बसना पसंद किया होगा। बहरहाल किले के मालिकाना हक का कोई दावेदार अभी तक सामने नहीं आया। सुनसान से पड़े उनके किले को तोड़कर अंग्रेजों ने अपना प्रशासनिक परिसर तैयार कर लिया था। महल की जगह अब मजार बन चुकी है। इस मजार का नाम किले वाले बाबा मजार रखा गया है। अंग्रेजों और वर्तमान भारत का यह प्रशासनिक परिसर बड़े बड़े मजबूत पत्थरों से तैयार किया गया था, जो जस की तस वैसी ही खड़ी है। कुछ समय पहले कचहरी छोटा पड़ने लगा तब उसे तोड़ कर नया बनाया गया। तब इसका खुलासा हुआ कि अंग्रेजों ने रायपुर में अपना प्रशासनिक परिसर बनाने में जमकर कंजूसी बरती थी। किले को तोड़ कर पत्थर जुटाए और भारतीयों से चंदा बटोर कर इमारत बना ली।

ऐतिहासिक
आशा ध्रुव

गोंड राजाओं के काल में गढ़ों की रचना

गोंड राजाओं के कार्यकाल में गढ़ों और परकोटों की रचना प्रमुखता से पूरब पश्चिम मुख्य प्रवेश द्वार स्थापित किए। हर गढ़ में प्रवेश द्वार पूर्व और पश्चिम ही देखने में आया है। गोंडवाना संस्कृति में माना जाता है कि पूर्व और पश्चिम दिशा वास्तु के अनुसार अनुरूप होता है। वास्तविक रूप में इसे स्वीकार भी किया गया है। इतना ही नहीं गोंडवाना की सीमा में आने वाले गांव और शहर में बसे लोग भी अपने निवास का मुख्य द्वार पूर्व और पश्चिम ही रखते हैं। आज भी जितने गढ़ और महल के प्रवेश द्वार भी इन्हीं दिशा में बने दिखाई देते हैं। गोंडी संस्कृति के अनुसार उत्तर द्वार को (जीव द्वार) तथा दक्षिण द्वार को (देव द्वार) कहा जाता है। गोंड समुदाय के गंडजीव जब तक जीवित रहते हैं तब तक वे वेन रूप में होते हैं और मरणोपरांत पेनरूप में हो जाते हैं। शादी विवाह का मंडप उत्तर द्वार के सामने होता है और उसी द्वार से नव कुल वधु को घर में प्रवेश कराया जाता है। मनुष्य के मृत्यु होने पर शव यात्रा दक्षिण द्वार से निकलती है। सभी धार्मिक संस्कार दक्षिण द्वार के सामने की जाती है। इस तरह प्रवेश द्वार की संरचना को विशेष महत्व दिया जाता था।

सुरता
डा. महेशचंद्र शर्मा

अनेक विषयों के ज्ञाता थे आचार्य सदाशिव दास शर्मा

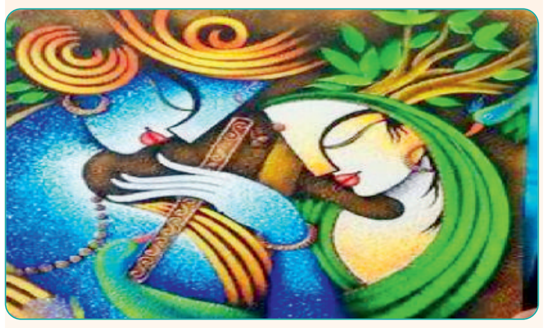

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के पड़िगांव में 24 जून 1906 में ज्योतिष एवं कर्मकांड के विद्वान प. भुवनेश्वर दास शर्मा के पुत्र के रूप में बालक सदाशिव का जन्म हुआ। पिता के सानिध्य में रहते हुए बचपन में ही आपने अमरकोष कंठस्थ कर लिया। कर्म कांड की ओर भी धीरे धीरे रुझान बढ़ने लगा। केंद्रीय विद्यापीठ पुरी से 1932 में संस्कृत विषय में उच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण की और स्वर्ण पदक प्राप्त किए। काशी की पंडित मंडली प. सदाशिव की प्रतिभा एवं युवावस्था में ही उनके काव्य कौशल से इतने प्रभावित हुए कि उन्हें अभिनव कालिदास की उपाधि दी गई। रायगढ़ नरेश चक्रधर सिंह ने उनकी प्रतिभा को प्रणाम करते हुए 1938 में विधिवत राज पंडित के पद पर अभिषित किया। पंडितजी ने कुछ समय तक नटवर स्कूल रायगढ़ और जुबली संस्कृत विद्यालय रायगढ़ में संस्कृत का अध्यापन किया। अनेक पत्र पत्रिकाओं में आपके लेख में प्रकाशित होते रहते थे। आपने संस्कृत में संतानवल्ली, कोकिलशतकम, रत्नपुरम प्रति, गोपी विलास और राधामाधवीयम की रचना की। साहित्य, वेद, धर्म, दर्शन, और उपनिषद के अतिरिक्त संस्कृत के विविध विषयों में आपकी विशेषज्ञता का लोहा अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलनों में भी माना गया। आपने छत्तीसगढ़ और ओडिशा में अपनी सेवाएं दी। आप रायगढ़ के बैकुंठपुर मोहल्ले में रहते हुए 1972 में बैकुंठ के लिए प्रस्थान किए।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

शुरुआती दौर के कुछ चर्चित शिष्ट लोक नाट्य

लोक नाट्य
डा. उग्रसेन कन्नौजे

छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य की एक धारा लिखित नाट्य परंपरा के रूप में आधुनिक प्रकृति है। इसमें छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य का संस्कार और हिन्दी नाटकों के मंचन का प्रभाव प्रमुख है। छत्तीसगढ़ी व्याकरण में हीरालाल काव्योपाध्याय ने ग्रामीणों के वार्तालाप को संग्रहित करके छत्तीसगढ़ी नाटकों को प्रारंभिक रूप में प्रस्तुत किया। इसके बाद सन 1905 के हिन्दी मास्टर में प्रकाशित कलिकाल बिलासपुर अंचल के लोचन प्रसाद पाण्डेय द्वारा प्रणीत छत्तीसगढ़ी नाटक है। जिसकी बोली क्षेत्र चंद्रपुर के आसपास की है। प. शुकलाल प्रसाद पाण्डेय की केकरा धरईया हास्य प्रधान एकांकी है। इनकी उपसहा दमाद बाबू और असीसी देवईया प्रहसन लोकप्रिय रहे हैं। स्वतंत्रता के बाद बिलासपुर अंचल से प्रकाशित एकांकी नाटकों में डा. रामलाल कश्यप कृत कृष्णार्जुन युद्ध (1965) आंचलिक संस्करण है। डा. कश्यप कृत द्वितीय नाटक रतनपुर अभी भी अप्रकाशित है। बाबूलाल सीरिया एकांकी की दृष्टि से प्यारेलाल गुप्त की चिंगारी के फूल (1958) में प्रकाशित दू सौत महत्वपूर्ण है। लखनलाल गुप्त की सरग ले डोला आइस में बारह कहानियों के साथ बेटी के मंसूबा और परेमा (1998), कपिलनाथ कश्यप कृत अंधियारी रात (1993), नवा बिहान (1944), महत्वपूर्ण हैं।

गांव की कहानी: डा. ऋषिराज पाण्डेय

गढ़ के रूप में मान्यता मिली भटगांव को

दक्षिण कोसल के अधिपति रतनपुर नरेश राजा जाजल्यदेव ने भटगांव राज्य को भी जीत लिया। राजा जाजल्य देव ने सेनापति जगत साय से प्रसन्न होकर उन्हें भटगांव को नई राजधानी बनाने का आदेश दिया। साथ ही उन्हें भटगांव का राजा बना दिया। सेनापति जगत साय राजा के रूप में भटगांव में गढ़ बना कर निवास करने लगे। उसने जिस गढ़ का निर्माण किया था वह आज भी भग्नावशेष के रूप में विद्यमान है। इस वृहत गढ़ के भीतर ही भटगांव क़स्बा बसा हुआ है। इसके चारों ओर खाई है। इसके उत्तर दिशा में आवागमन का मुख्य मार्ग है। प्रतीत होता है कि पूर्व में यह खाई बहुत गहरी थी। संभवतः इसी भटगांव गढ़ में सेनापति जगतसाय ने राजा जाजल्य देव के साथ राज्य का विस्तार किया था।

उसने भटगांव से लगे फुलझर समेत समस्त पश्चिम ओडिशा के सोमवंशीय राजाओं को परास्त कर सकल कोसल की स्थापना करते हुए कलचुरियों की विजय ध्वजा फहराई थी। भटगांव के समीप आग्नेय कोण में हिंगलाज देवी (नकटी देवी) की स्थापना है। यहां चैत पूर्णिमा को एक दिवसीय मेला भरता है।

लोक साहित्य
डा. विनय कुमार पाठक

निबंधकार के रूप में मुकुटधर पाण्डेय जी की व्याख्या

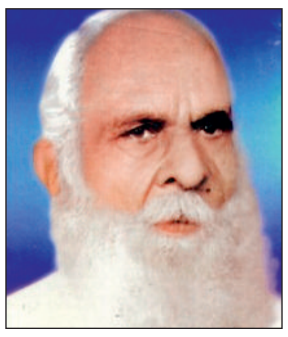

पंडित मुकुटधर पाण्डेय जी के निबंधों में द्विवेदी युगीन विशिष्टताओं के साथ ही आचार्य शुक्ल के समानांतर नई समीक्षात्मक दृष्टि मिलती है। इतिहासकारों ने शुक्लोत्तर युग की हिन्दी प्रवृत्ति के एक अंक को कवि-समीक्षक के रूप में रेखांकित किया है। यह कवि-समीक्षक मूलतः कवि थे, लेकिन रचना कर्म के समानान्तर इनके विचार अनायास समीक्षा के रूप में निःसृत हुए। इस सन्दर्भ में निवेदन है कि पंडित पाण्डेय द्वारा लिखित एवं श्री शारदा (1920) में धारावाहिक निबंध के रूप में छायावाद शीर्षक से प्रकाशित ऐतिहासिक विवेचनान्तर्गत छायावाद को जानने समझने का अवसर मिला। यह निबंध उनके समीक्षक और चिंतक होने का प्रमाण तो है ही, विवादग्रस्त और मत मतान्तरों में उलझे फंसे छायावाद को परिभाषित करने के शुभ संकेत और काव्य में नव आयाम निरुपित करने के दस्तावेज भी हैं। हिन्दी की लगभग आठ दशक की सेवा साधना से संपृक्त पंडित पाण्डेय राष्ट्रीय भाव धारा के समानान्तर आंचलिक प्रवृत्ति से ओतप्रोत अलौकिक साधक सिद्ध हुए हैं। कवि के रूप में इनका मूल्यांकन हुआ है लेकिन निबंधकार व समीक्षक के रूप में इनका मूल्यांकन कम हुआ है।

परब विशेष: डा. नीलकंठ देवांगन

पितरों के प्रति अभिव्यक्ति का पर्व श्राद्ध

आश्विन (क्वार) महीना का कृष्ण पक्ष पितृ पक्ष के रूप में मनाया जाता है। माना जाता है कि इस पक्ष में पितर लोक का द्वार खुल जाता है और पितर अपने संतानों को देखने पृथ्वी लोक में विचरण करते हैं। यह पर्व सांसारिक जीवन को सुखमय बनाता है, परलोक भी सुधारता है। इस पर्व में तरोई के पत्तों और फल की सब्जी का विशेष महत्व है। पत्तों से पितरों को जल अर्पण किया जाता है और भोजन परोसा जाता है। इसके साथ ही अनाज, अक्षत, पिंड, उड़द, तिल, जौ, पुष्प, कुश और दूर्वा से विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना की जाती है। पंद्रह दिनों तक दिवंगत परिजनों में बच्चे, बूढ़े, महिला और पुरुष के संसार छोड़ने की तिथि में तर्पण किया जाता है। सभी पितरों को अमावस्या तक तर्पण किया जाता है इसलिए इस दिन को सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या कहा जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस पक्ष का सम्बन्ध मृत्यु से है इसलिए पितृ पक्ष को अशुभ माना जाता है। इस कारण मांगलिक, शुभ कार्य, देवी देवताओं की पूजा के अलावा नए वस्त्र धारण करना, व्यापार आरंभ करना, नए वाहन, भूमि, आभूषण खरीदना वर्जित माना जाता है। पूजा के समय चौक पूरा जाता है चौक के पश्चिम कोना में गाय के लिए, दक्षिण में कुत्ता के लिए, उत्तर में कौए के लिए, पूर्व में चींटी के लिए और मध्य में देवों के लिए सामग्री अर्पित किए जाते हैं।

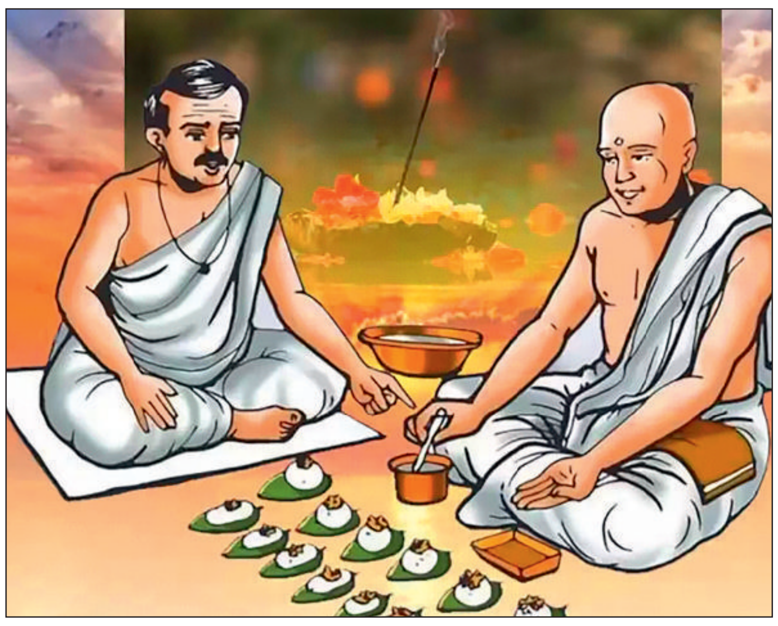

यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता की मांग को मिला 'विसेग्राड समूह' का समर्थन

यूएनजीए के 81वें सत्र से इतर भारत के साथ हुई पहली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत द्वारा लंबे वक्त से की जा रही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता की मांग के मामले पर एक अच्छी खबर सामने आई है। जिसमें यह पता चला है कि अब इसे लेकर नई दिल्ली को मध्य-यूरोप के चार देशों ने अपना खुला समर्थन प्रदान किया है। आमतौर पर चेक गणराज्य, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया जैसे इन देशों को 'विसेग्राड समूह या वी4' के नाम से जाना जाता है। बीते सोमवार देर रात न्यूयॉर्क में वी4 के साथ भारत की विदेश मंत्रियों की पहली बैठक हुई है। जिसमें डॉ.एस.जयशंकर ने शिरकत की। ये जानकारी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी दी है। यहां बता दें कि जयशंकर पिछले रविवार को महासभा के सत्र में भाग ले रहे भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वी4 से पहले भारत को जी4 (जापान, ब्राजील, जर्मनी शामिल) देश भी परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन दे चुके हैं।

जयशंकर ने बैठक को बताया एक नया ऐतिहासिक अवसर, बोले-एक वार्षिक व्यापार मंच बनेगा, सालाना मिलेंगे विदेश मंत्री

स्लोवाकिया के विदेश मंत्री ने किया ऐलान

बैठक के बाद स्लोवाकिया के विदेश मंत्री जुराज ब्लानार ने कहा कि हम सभी समूह देश इस बात पर सहमत हैं कि वैश्विक दक्षिण का एक हिस्सा होने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उभरती हुई एक महाशक्ति के रूप में भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौजूद होना चाहिए। गौरतलब है कि भारत की स्थायी सदस्यता को पहले ही परिषद के पांच में से चार स्थायी सदस्यों (अमेरिका, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन) ने अपना समर्थन प्रदान कर दिया है।

समूह संग करेंगे विशेष पहल

डॉ.एस.जयशंकर ने अपने संबोधन में पी4 के साथ हुई बैठक को एक ऐतिहासिक अवसर करार देते हुए कहा कि आज की हमारी वार्ता बेहद उपयोगी और सार्थक रही है। एक ओर जब हमारे संबंध यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ काफी मजबूत होते जा रहे हैं। तो दूसरी ओर हम वी4 के साथ भी कुछ विशेष पहल करेंगे। पांचों देश मिलकर एक वार्षिक व्यापार मंच स्थापित करेंगे, सालाना आधार पर विदेश मंत्रियों की बैठक होगी। वहीं, बैठक के दौरान सभी भागीदारों ने राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। विदेश मंत्री के मुताबिक, समूह देशों के साथ भारत का एक सशक्त इतिहास रहा है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए हम अपने सहयोग को नए सिरे से सक्रिय कर एकजुटता से काम करते हुए आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं।

'कार्यवाही शुरू करने से पहले प्रशासनिक जांच जरूरी'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई के दौरान माना कि एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट-1989 के तहत सरकारी कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने से पहले प्रशासनिक जांच जरूरी है। कोर्ट ने इस कड़े कानून के तहत तमिलनाडु के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस और एक सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ चल रही कार्रवाई को रद्द कर दिया। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने जननिप्रिया और एक अन्य शख्स की अपील पर सुनवाई की।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन एवं भू-जल सर्वेक्षण मंडल सिहावा भवन परिसर, सिविल लाईन्स, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 199596/निविदा सूचना क्रमांक 02/वलेलि/2026–27, रायपुर दिनांक 21.09.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 12.10.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : रायपुर जिले के विकासखण्ड अभनपुर के अंतर्गत परसदा व्यपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य तथा दांयी एवं बांयी तट एफ्लक्स बंड का जीर्णोद्धार कार्य, 02 व्ही.आर.बी. 05 कुलाबा का निर्माण कार्य तथा मुख्य नहर आर.डी. 0 मी. से 900 मी. तक सी.सी. लाईनिंग कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 141.61 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 28.09.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, रायपुर
कृते, अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन एवं भू-जल सर्वेक्षण मंडल, रायपुर, (छ.ग.)

जी-262703442/2

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, धरमजयगढ़, जिला-रायगढ. (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 12.10.2026, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत जी.एस.टी. को छोड़कर (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
199597	02/व.ले.लि./2026–27 दिनांक 21.09.2026	जल संसाधन उपसंभाग घरघोड़ा अंतर्गत विकासखंड–घरघोड़ा, जिला–रायगढ़ (छत्तीसगढ़) में 'एफ' टाइप आवास (01 नग), 'जी' टाइप आवास (04 नग), स्टोर रूम (02 नग), कार्यालय भवन, बाउंड्री वॉल, वर्षा जल संचयन (रैन वाटर हार्वेस्टिंग) एवं सी.सी. रोड का निर्माण तथा 'जी' टाइप आवास (02 नग) एवं 'आई' टाइप आवास (04 नग) का मरम्मत कार्य एवं अन्य सभी संबद्ध कार्य।	196.03	प्रथम आमंत्रण
199599	03/व.ले.लि./2026–27 दिनांक 21.09.2026	लेपामुड़ा एनीकट योजना का निर्माण कार्य।	217.55	प्रथम आमंत्रण
199600	04/व.ले.लि./2026–27 दिनांक 21.09.2026	नारायणपुर स्टापडेम निर्माण कार्य।	227.47	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 28.09.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथाडाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित /पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। 2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.05.2025 (संशोधित 08.08.2025) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग धरमजयगढ़ (छ.ग.)

जी- 262703431/3

तेलंगाना में हादसा: अस्पताल में एसी के धमाके आग से 3 मासूमों की मौत

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

तेलंगाना के आदिलाबाद में सोमवार देर रात राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में आग लगने से तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि वार्ड से 28 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग रात करीब 11:50 बजे लगी। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि आग एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है, जिससे वार्ड में आग की लपटें और घना धुआं फैल गया।

हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि आग लगने की सही वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद एक फायर इंजन को अस्पताल भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मौतों पर गहरा दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घटना से प्रभावित सभी

बच्चों को बेहतर से बेहतर इलाज मिले और उनकी सेहत पर लगातार नजर रखी जाए। रेवंत रेड्डी ने घटना की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए और अधिकारियों से आग लगने के कारणों पर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तेलंगाना के अस्पतालों में आग और बिजली से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। अधिकारी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना के वक्त एसएनसीयू में बिजली व्यवस्था, एयर-कंडीशनिंग उपकरण और आग से सुरक्षा के इंतजाम ठीक से काम कर रहे थे या नहीं।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में उपलब्ध नये एवं पुराने ईमारती काष्ठ/जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई–ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई–ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई–ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम:- काष्ठागार मनेन्द्रगढ़, नीलाम दिनांक:- 29-09-2026, नीलाम समय:- प्रात: 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र.	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग
1	सागौन	0	0	40.974	778
2	साल	105.386	0	2506.734	1831
3	साजा	3.563	0	51.166	122
4	धावड़ा	0	0	27.909	321
5	हल्दू	0	0	8.155	15
6	मुंडी	0	0	0.910	0
7	सतकठा	0	0	107.048	300
8	खम्हार	0	0	5.786	22
9	सलैया (सलई)	0	0	3.220	2
10	नीलगिरी	0	0	0.144	0
11	तिंसा	0	0	0.406	0
12	खैर	0	0	3.223	0
	योग:-	108.949	0	2755.675	3391

जलाऊ काष्ठ

क्र.	विवरण	नया लॉट	पुराना लॉट
1	जलाऊ मिश्रित	100 चट्टा	निरंक
	योग:-	100 चट्टा	निरंक

टीप:– 1. क्रेता को ई–ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई–ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

जी. 262703418/5

दिल्ली एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट 'मशीन जनरेटेड लगते हैं नोटिस'

नई दिल्ली। दिल्ली की मतदाता सूची के एसआईआर में क़रीब 33 लाख वोटरों को भेजे गए नोटिसों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कड़ा सवाल पूछा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाताओं को भेजे जा रहे नोटिसों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता पर सवाल उठाए। अदालत ने इस मामले में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग (ईसीआई) को नोटिस जारी किया है और मतदाताओं को भेजे गए नोटिस पर तत्काल स्पष्टता मांगी। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रथम दृष्टया कहा कि कुछ नोटिस 'मशीन से तैयार किए गए' प्रतीत होते हैं, जो प्रक्रिया में गंभीर खामियों और यांत्रिक त्रुटियों की ओर इशारा करते हैं। कोर्ट ने कहा कि ये नोटिस मशीन से जारी किए गए लगते हैं और 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' यानी तार्किक विसंगति का आधार साफ़ नहीं है।

कार्यालय-कृषि उपज मण्डी समिति, जैजैपुर
शासकीय कॉलेज रोड, जैजैपुर, जिला-सक्ती (छ.ग.) 495690
E-mail: jaijaipur.mandi@gmail.com

क्र./मंडी/निर्माण/2026–27/330 जैजैपुर, दिनांक 21.09.2026

सेण्ड्रीशॉप की नीलामी सूचना

समस्त इच्छुक व्यापारी/ व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मण्डी समिति जैजैपुर जिला–सक्ती के उप मण्डी प्रांगण हसौद में निर्मित सेण्ड्रीशॉप (दुकान) की नीलामी कृषि उपज मण्डी समिति जैजैपुर के उप मण्डी प्रांगण हसौद में दिनांक 13.10.2026 दिन–मंगलवार, समय दोपहर 12 बजे निर्धारित किया गया है। उपमंडी प्रांगण हसौद के सेण्ड्रीशॉप (दुकान) क्रमांक 1 से 6 तक अनारक्षित रखी गई है तथा दुकान क्रमांक 7 एवं 8 एग्री बिजनेस हेतु व दुकान क्र. 09 गौ उत्पाद (दुग्ध, घी, पंचगव्य, कीटनाशक) और दुकान क्र. 10 जैविक उत्पाद परम्परागत रूप से उत्पादित धान की सुगंधित किस्म व लघु धान्य विपणन हेतु आरक्षित रखी गई है। आरक्षित सेण्ड्रीशॉप "प्रथम आओ, प्रथम पाओ" के आधार पर आबंटित किया जाना है। नीलामी शर्तें में दी गई समस्त अभिलेख सहित समस्त दुकान के लिये कार्यालयीन समय में आवेदन दिनांक 09.10.2026 दिन शुक्रवार, कार्यालयीन समय तक आमंत्रित किये जाते है।

शर्तें:– (1) सशर्त नीलामी स्वीकार नहीं की जावेगी तथा प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड रायपुर के द्वारा जारी पत्र क्रमांक 6590 दिनांक 23.01.2020 शर्तों के अनुसार नीलामी की कार्यवाही की जावेगी। (2) आरक्षित दुकान के लिए आवेदनकर्ता को एग्री बिजनेस गौ उत्पाद/जैविकउत्पाद/ परम्परागत रूप से उत्पादित धान्य के सुगंधित किस्म एवं लघु धान्य फसलो के व्यवसाय, का जीवित एवं वैध पंजीयन होना अनिवार्य है साथ ही उपरोक्त व्यवसाय का दो वर्ष का अनुभव तथा विभाग में जमा किये गये वार्षिक रिटर्न जमा करना होगा। आवेदनकर्ता को शपथपत्र देना होगा। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत शासकीय/निजी एवं मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों से कृषि स्नातक को एवं मैनेज (राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान) के अंतर्गत एग्री क्लीनिक एवं एग्री बिजनेस प्रमाण पत्र धारी को प्राथमिकता दी जाएगी। आरक्षित सेण्ड्रीशॉप के किरायेदार से किसी भी प्रकार का अमानत व प्रीमीयम की राशि नहीं ली जावेगी, केवल निर्धारित किराया लिया जावेगा। (3) उपमंडी प्रांगण हसौद के अनारक्षित सेण्ड्री शॉप दुकान हेतु अमानत की राशि 52,100/– निर्धारित किया गया है। जो प्रकाशन दिनांक से दिनांक 09/10/2026 दिन शुक्रवार, कार्यालयीन समय तक नगद / ड्राफ्ट सचिव कृषि उपज मण्डी समिति जैजैपुर के नाम स्वीकार होगा। अमानत की राशि निर्धारित अवधि के पश्चात जमा नहीं किया जावेगा। (4) एक व्यक्ति को एक ही दुकान आबंटित किया जावेगा। (5) जिस व्यवसायी के नाम से राशि जमा की जावेगी वह किसी कारण से नीलामी में उपस्थित नहीं हो पाता तो अपना प्रतिनिधि 50/– के स्टॉम्प पेपर/नोटरी कराकर उस के ओर से बोली लगाने हेतु नियुक्त कर सकता है। जिसे नीलाम होने के पूर्व सक्षम अधिकारी के पास जमा करना होगा। (6) उपमण्डी प्रांगण हसौद के अनारक्षित सेण्ड्रीशॉप दुकान हेतु प्रत्येक दुकान का मासिक किराया राशि रू. 3,900/– प्रतिमाह होगा। (7) उपमण्डी प्रांगण हसौद के नीलामी की शासकीय बोली राशि रू. 1,30,200/– से प्रारम्भ किया जावेगा तथा अधिकतम बोलीकर्ता को सफल बोली मान्य किया जावेगा। (8) अन्य शर्ते कार्यालयीन अवधि में मण्डी प्रांगण जैजैपुर जिला–सक्ती में अवलोकन किया जा सकता है।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति जैजैपुर
जिला-सक्ती (छ.ग.)

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति जैजैपुर
जिला-सक्ती (छ.ग.)

संवाद- 49130

छत्तीसगढ़ शासन
विधि और विधायी कार्य विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर 492002

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान
विज्ञापन

राज्य शासन द्वारा विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने, प्रोत्साहित करने और मान्यता देकर उनकी विशेष पहचान बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय "बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान" वर्ष 2026 देने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में सम्मान के लिये दो व्यक्तियों का चयन किया जायेगा, जिन्हे पुरस्कार स्वरूप राशि रूपये 1.00–1.00 लाख (एक–एक लाख रूपये) प्रति व्यक्ति नगद सम्मान तथा प्रतीक चिन्ह से युक्त पट्टिका प्रशस्ति पत्र के साथ दी जायेगी। इस सम्मान हेतु विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट और महत्वपूर्ण कार्य करने वाले व्यक्तियों से दिनांक 06.10.2026 तक निम्नानुसार विहित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किये जाते है:–

(क) व्यक्ति का पूर्ण परिचय,
(ख) विधि के क्षेत्र में अभिनव प्रयत्नों के लिये किये गये उत्कृष्ट कार्यों की सप्रमाण विस्तृत जानकारी,
(ग) यदि कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण,
(घ) विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य तथा इसके सैंद्धान्तिक पक्ष के विषय में प्रकाशित साहित्य की फोटो प्रति (सत्यापित),
(च) विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के संबंध में प्रख्यात पत्र/पत्रिकाओं / ग्रंथ के माध्यम से उपलब्ध साहित्य,
(छ) चयन होने की दशा में सम्मान ग्रहण करने के बारे में व्यक्ति की लिखित सहमति,
(ज) आवेदक द्वारा, प्रस्तुत जानकारी तथा दस्तावेज (पत्र, प्रमाण पत्र, कतरन, प्रतिवेदन आदि) के सही और वास्तविक होने की घोषणा पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है।
(झ) यदि कोई व्यक्ति शासकीय कार्यालय में कार्यरत है तो वह छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर के ज्ञापन क्रमांक एफ–10–53/2009/1/5, दिनांक 07.12.2009 में दिये गये निर्देशों के अनुरूप प्रशासकीय विभाग के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करेगें।

उक्त सम्मान हेतु प्राप्त समस्त आवेदनों के संबंध में निर्णायक मंडल द्वारा निर्णय लिया जायेगा, निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम होगा । निर्णायक मंडल के सदस्य एवं उसके परिवार के व्यक्ति उस वर्ष के सम्मान के लिये आवेदन करने के लिये अनर्हित होगें, जिस वर्ष के लिये वे निर्णायक मंडल के सदस्य नियुक्त किये गये है ।

उक्त सम्मान हेतु सभी आवेदन पत्र निर्धारित तिथि दिनांक 06.10.2026 तक प्रमुख सचिव, छ.ग. शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय, केपिटल काम्पलेक्स, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.) पिन कोड नम्बर 492002 को प्राप्त हो जाना चाहिए।

अत: आवेदक, सीधे प्रमुख सचिव के उक्त पते पर व्यक्तिश: अथवा डाक द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। डाक से भेजे गये पत्र के विलंब से प्राप्त होने पर विभाग जिम्मेदार नही होगा तथा निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्र पर विचार नही किया जायेगा।

(भूपेन्द्र कुमार वासनीकर)
अतिरिक्त सचिव
छ.ग. शासन, विधि एवं विधायी कार्य विभाग

जी. 262703423/1

राशिफल

मेष मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद–विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान–सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

कन्या नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

मकर आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

कुंभ आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार–चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

मीन अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कार्यालय नगर पंचायत मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
Ph.No. 07752-273990 & Email: cmo_malhar@rediffmail.com

क्र. 1357/न.पं./2026–27 मल्हार, दिनांक 21/09/2026

ज्ञापन

दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा केंद्रीय दूरसंचार अधिनियम 2023 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दूरसंचार अवसंरचना स्थापित किये जाने के लिए भारतीय तार मार्ग के अधिकार नियम 2016 और भारतीय तार (अवसंरचना सुरक्षा) नियम 2022 को अधिक्रमित कर दूरसंचार (मार्ग के अधिकार) नियम 2024 दिनांक 17.09.2024 अधिसूचित किया गया है और जिसे छत्तीसगढ़ शासन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सूचना प्रौद्योगकी विभाग के आदेश क्रमांक एफ 4–23/E&IT/56 दिनांक 31/12/2024 के माध्यम से दिनांक 01/01/2025 से राज्य में अंगीकृत किया गया है।

छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा '317 क'/छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा '196'/छत्तीसगढ़ औद्योगक भूमि/भवन प्रबंधन नियम 2015 एवं अन्य सुसंगत अधिनियम/नियम (जो लागू हो) में प्रदत्त शक्तियों के तहत राज्य शासन के सक्षम प्राधिकारी द्वारा मार्ग के अधिकार अधिनियम एवं नियम के अंतर्गत अनुमेय समस्त दूरसंचार अवसंरचना के निर्माण हेतु नगर पंचायत मल्हार सार्वजनिक उपक्रम/मंडल/निगम 3 (जो लागू हो) एतद् द्वारा उक्त अधिनियम के अनुपालन हेतु सहमति व्यक्त करता है।

अत: उक्त नियम 01/01/2025 से नगर पंचायत मल्हार सार्वजनिक उपक्रम / निगम / मंडल 3 (जो लागू हो) में यथास्वरूप लागू माना जाये।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6356

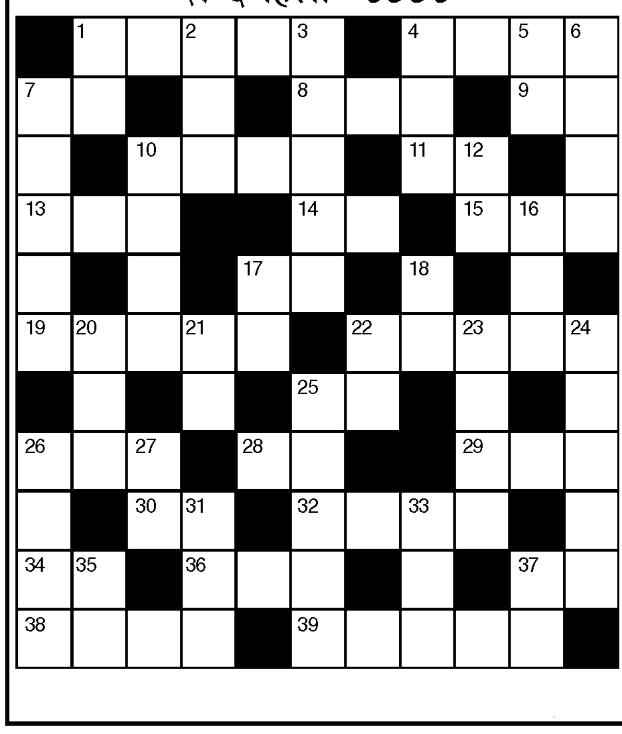

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 6355 का हल

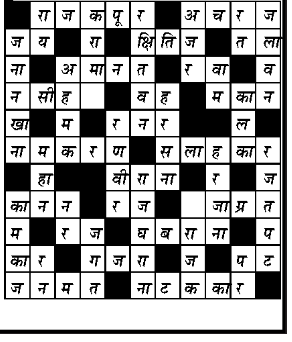

सूडोकु नवताल 6366

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6365 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

प्रथम पृष्ठ का शेष

सप्लाई का गजब...
डंप नजर आया। अस्पताल के स्टाफ ने जानकारी दी कि 1000 से अधिक पीपीई किट भेजे गए हैं। इतने पीपीई किट डंप होने के बाद कुछ दिन पूर्व 500 नग और भेजे गए थे, जिसे लेने से इंकार कर दिया गया। इसी तरह के हालात माना बस्ती के स्वास्थ्य केंद्र और उपरवारा में भी नजर आए, जहां हाल ही में चार-चार कार्टून पीपीई किट भेजी गई है। इसी तरह कई अनुपयोगी और जल्द एक्सपायर होने वाली दवाई भी सरकारी अस्पतालों में भेज दी गई है। हैरानी की बात यह है कि मल्टीविटामिन और कैल्शियम की जरूरी दवाओं की आपूर्ति लंबे समय से अस्पतालों में नहीं की जा रही है। जबकि काफी पहले ही इसकी डिमांड भेजी जा चुकी है।

एक किट की...
अस्पताल में तो पीपीई किट को चूहे कुतर रहे हैं। कई किट फटी हुई है। कुछ किट के पैकेट भी खुले हुए नजर आए। स्पष्ट है कि पुष्प मैकेनिज्म के नाम पर लाखों रुपए का खेल चल रहा है।

जुलाई में इंजेक्शन...
तरह कुछ और अस्पतालों में एक्सपायरी डेट के ठीक पहले दवाओं को जबरन भेज दिया गया। इस तरह लाखों रुपए की अनुपयोगी दवाएं अब अस्पतालों में डंप हो चुकी है। जबकि आवश्यक दवाओं की अब भी कमी है।

ट्रंप ने यूएन...
आएगी। उन्होंने यूएन के सदस्य देशों से ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने में साथ देने को कहा। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान को लेकर एक बड़ा फैसला लेना है, लेकिन यह फैसला शायद अमेरिकी मिडटर्म इलेक्शन के बाद लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ईरान चुनाव के नतीजों का इंतजार कर रहा है। बता दें कि यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के भाषण से जनरल डिबेट की औपचारिक शुरुआत हुई। इसके बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने भाषण दिया। इसके बाद मेजबान देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बात रखी। महासभा हॉल में 193 देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अमेरिका-डेनमार्क...
माना जा रहा है। मंगलवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर इस समझौते पर हस्ताक्षर ऐसे समय हुए हैं, जब कुछ दिन पहले ही ट्रंप ने ग्रीनलैंड में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने और इसके बावजूद द्वीप को डेनमार्क के नियंत्रण में बनाए रखने संबंधी समझौते की घोषणा की थी। हस्ताक्षर से पहले दोनों सरकारों ने इस समझौते के बारे में बहुत कम जानकारी साझा की थी।

वंदे मातरम् की...
इस मामले में दलील पेश कर रहे थे, तभी यह तीखी बहस हुई। उन्होंने दलील दी कि कानून में यह बदलाव बिना किसी पर्याप्त सार्वजनिक चर्चा या व्यापक राष्ट्रीय सहमति के किया गया है। उन्होंने कहा, आदर्श स्थिति में, ये चीजें जनमत तैयार होने के साथ-साथ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून बनाने की ऐसी प्रक्रिया वांछनीय नहीं है, जो ऊपर से थोपी गई हो। इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा, कानून संविधान के अनुसार ही बनाए जाते हैं। कानून नक्सलियों की सोच के आधार पर नहीं बनाए जा सकते। मुरलीधर ने तुरंत इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और इसे वापस लेने को कहा। उन्होंने कहा, सॉलिसिटर को अभी-अभी इस्तेमाल किए गए शब्द को वापस लेना चाहिए। सीधा प्रहार हो रहा है। मैं नहीं चाहता कि सॉलिसिटर का कोई शब्द 'लाइव' जाए। मैं इसका कड़ा विरोध करता हूं। सॉलिसिटर को यह शब्द दोहराने दें, जिसका उन्होंने इस्तेमाल किया था। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, मैं नहीं चाहता कि कोई सवाल उठाए... उनका कहना है कि उन्हें निर्णय लेने के तरीके पर आपत्ति है। यह संविधान के अनुसार है। मुरलीधर ने कहा, यह टाल-मटोल कर रहे हैं। श्रीमान सॉलिसिटर, कृपया अपने शब्द वापस लें। विधि अधिकारी ने कहा कि वह मुरलीधर की उस आपत्ति का जवाब दे रहे हैं जिसमें उन्होंने निर्णय लेने के तरीके पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि यह कानून संसद ने संविधान के अनुसार बनाया था। हालांकि, मुरलीधर ने अपनी मांग दोहराई। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि इस बहस से 'बेवजह तनाव और भावनाएं' पैदा हो रही हैं। मुरलीधर ने कहा, उन्होंने इसकी शुरुआत की। सॉलिसिटर इस तरह की भाषा का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं? यह किसी कानूनी अधिकारी को शोभा नहीं देता। मैंने कभी किसी कानूनी अधिकारी को ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हुए नहीं सुना। विधि अधिकारी ने कहा, आप संविधान को चुनौती नहीं दे सकते। प्रधान न्यायाधीश ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि पीठ सिर्फ संवैधानिक व्याख्या के कानूनी पहलू की पड़ताल कर रही है। मुरलीधर ने कहा, 'कानूनी अधिकारियों से शिष्टाचार बनाए रखने की उम्मीद की जाती है। इसके बाद पीठ ने याचिका पर केंद्र से जवाब मांगने का आदेश लिखवाया। आदेश लिखवाए जाने के बाद, मुरलीधर ने फिर से यह मुद्दा उठाया और कहा कि वह अपना विरोध रिकॉर्ड पर दर्ज कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'सॉलिसिटर ने ऐसी बात कही, जो एक विधि अधिकारी को शोभा नहीं देता। मैं इस पर कड़ा विरोध जताना चाहता हूं। न्यायमूर्ति बागची ने जवाब दिया, हमने उन टिप्पणियों पर ध्यान नहीं दिया है। हम खुद को संवैधानिक मुद्दे तक ही सीमित रख रहे हैं। **नक्सलवाद वाली टिप्पणी पर खेद नहीं- सॉलिसिटर जनरल**-इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बेंच के सामने मुरलीधर अपनी बात पर अड़े रहे और कहा, विद्वान सॉलिसिटर ने एक ऐसी उक्ति कही, जो लॉ ऑफिसर को शोभा नहीं देता। मैं अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराता हूं। इसपर जस्टिस बागची ने कहा, हमने उन टिप्पणियों को संज्ञान में नहीं लिया है। हम खुद को संवैधानिक मुद्दे तक सीमित रखते हैं।' सॉलिसिटर ने दोहराया कि उन्होंने जो कुछ कहा उसपर उन्हें पछतावा नहीं है। **आप संविधान को चुनौती नहीं दे सकते-** जस्टिस बागची ने बीच-बचाव करते हुए कहा कि यह 'बेवजह का तनाव और भावनाएं' थीं। मुरलीधर नहीं रुके और कहा, उन्होंने शुरू किया। सॉलिसिटर इस तरह की उक्ति क्यों इस्तेमाल कर रहे हैं? एक लॉ ऑफिसर को यह शोभा नहीं देता। मैंने कभी किसी लॉ ऑफिसर को इस तरह की अभिव्यक्ति का इस्तेमाल करते नहीं देखा। इसपर मेहता ने जवाब दिया, आप संविधान को चुनौती नहीं दे सकते। **सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से हलफनामा दायर करने को कहा-** सीजेआई सूर्यकांत ने दखल देते हुए कहा, हम सिर्फ संवैधानिक व्याख्या के कानूनी मुद्दों की समीक्षा कर रहे हैं। हम उतने ही तक सीमित रहें। मुरलीधर फिर बोले, लेकिन लॉ ऑफिसर से शिष्टाचार की अपेक्षा की जाती है। इस समय आकर बेंच ने याचिका पर केंद्र से काउंटर-एफिडेविट दाखिल करने का आदेश दिया।

कैंसर की दवा के ...
संदीप मेहता की पीठ ने कहा, यह बेहद हैरान करने वाली बात है कि जिन अधिकारियों को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए, वे चुप हैं। पीठ दवाओं की कीमतों पर सख्त नियंत्रण सुनिश्चित करने सहित औषधियों से जुड़े अन्य मुद्दे उठाने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। उसने कहा कि बेहद चौंकाने वाला बताया कि कैंसर की एक जरूरी दवा पर 27,000 रुपये की एमआरपी छपी थी, जबकि खुदरा विक्रेता के लिए इसकी कीमत (पीटीआर) 2,700 रुपए थी। पीठ ने कहा, दवा की एमआरपी उस दर से 10 गुना अधिक है, जिस पर इसे खुदरा विक्रेताओं को उपलब्ध कराया जाता है। अगर यह जबरन वसूली नहीं है, तो फिर क्या है? लोग इलाज के लिए अपने मकान और गहने तक बेच देते हैं। उसने कहा, कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कुछ जरूरी दवाओं पर 27,000 रुपए की एमआरपी छपी है, जबकि इनकी पीटीआर 2,700 रुपए है। यह पूरी तरह से लूट-खसोट है। यह मरीजों के साथ दिन-दहाड़े डकैती है। पीठ ने सवाल किया कि मरीजों को इस तरह कैसे ठगा जा सकता है। उसने कहा, यह बेहद हैरान करने वाली बात है कि जिन अधिकारियों को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए, वे चुप हैं। **जेनेरिक दवा नहीं लिख रहे-** एक याचिकाकर्ता ने पीठ को बताया कि उसकी याचिका में पंजीकृत चिकित्सा पेशेवरों के जेनेरिक दवाएं न लिखे जाने का मुद्दा भी उठाया गया है। उसने कहा कि दवाओं की एमआरपी तय करना बेहद अहम मुद्दा है। एक याचिका के सिलसिले में केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि सरकार इस मामले को विरोधी पक्षों के बीच मुकदमेबाजी के तौर पर नहीं देख रही है। **कीमत तय करना अहम मुद्दा-** पीठ ने माना कि कीमत तय करना एक अहम मुद्दा है। उसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 सितंबर की तारीख तय की। एक याचिका में शीर्ष अदालत से अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे दवा कंपनियों और खुदरा विक्रेताओं की ओर से जरूरी दवाओं की कथित अनुचित मूल्य वृद्धि को रोककर दवा उत्पादों को अधिक किफायती बनाएं।

भूपेश के काफिले...
उनका विरोध हुआ था। अब असम के प्रभारी बने और वहां भी विरोध हो रहा है। आज वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का विरोध हो रहा है। कभी कांग्रेस देश और प्रदेश में राज करती थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस की नीति अंग्रेजों की तरह फूट डालो और शासन करो है। उनका कहना है कि कांग्रेस की कथनी और करनी में बहुत फर्क है। जनता से जो वादा करते हैं, वह पूरा नहीं करते। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। **भूपेश जहां जाते हैं, वहां बंटाधार कर देते हैं : पांडे-** भाजपा मुख्य प्रवक्ता और सांसद संतोष पांडे ने संवाददाताओं से चर्चा में कहा, हम सबको स्मरण है। बिहार चुनाव के वक्त पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ऑब्जर्वर बनकर पहुंचे हुए थे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष, प्रभारी और अन्य नेताओं के साथ एयरपोर्ट पर झूमाझटकी, प्रदर्शन हुआ था, इससे पूरा देश परिचित है। वे जहां-जहां जाते हैं, वहां बंटाधार कर देते हैं। **कांग्रेस की गुटबाजी का असर-** असम प्रदेश अध्यक्ष, असम सचिव और भूपेश बघेल पर जो हमला हुआ, इसमें पूरे तरीके से कांग्रेस के लोग शामिल हैं। असम में ऐसी घटनाएं कांग्रेस के घोर गुटबाजी का सीधा असर है। घटना को कांग्रेस द्वारा दूसरे दलों पर डालने की जो कोशिशें की जा रही हैं, इसमें सफल नहीं हो पाएंगे। भूपेश बघेल कांग्रेस को चुनाव हारते देख फालतू के बयानबाजी कर रहे हैं। भूपेश बघेल को बताना चाहूंगा, असम में कांग्रेस में भारी गुटबाजी है और यही गुटबाजी सड़क पर सामने आ रही है। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के शासन में राज्य की दुर्गति हुई थी। कांग्रेस की मानसिकता लोगों को साफ नजर आती है।

पूरा प्रशासन भाजपा...
और डीएम को भी जानकारी दी। इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी मुझे सुरक्षा व्यवस्था नहीं दी गई है। पुलिस प्रशासन, चुनाव आयोग, जिला प्रशासन, सभी लोग कुल मिलाकर भारतीय जनता पार्टी के वर्कर की तरह काम कर रहे हैं। किसी से न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती।

वुमन क्रिकेट टीम...
से विशाल जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। 217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। पूरी टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने मुकाबला 147 रन से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर श्रीलंका की पारी को संभलने का मौका नहीं दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने इससे पहले 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीता था। इस बार भी टीम ने अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया। भारत के 217 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम दीप्ति शर्मा (छह रन पर तीन विकेट), शेफाली वर्मा (तीन रन पर दो विकेट), श्रेयंका पाटिल (नौ रन पर दो विकेट) और श्री चरणी (13 रन पर दो विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने 15.4 ओवर में सिर्फ 69 रन पर ढेर हो गई। श्रीलंका की ओर से कप्तान चामरी अटापट्टू ने सर्वाधिक 29 रन बनाए जबकि उनके अलावा सिर्फ कौशिनी नुथ्यांगना (14) और कविशा दिलहारी (11) ही दोहरे अंक में पहुंच सकी।

टिन शेड वाला...
आज भी दूरदराज के ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए सहारा बना हुआ है। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित नेहरू छात्रावास में विद्यार्थियों को निशुल्क आवास और भोजन की सुविधा है। छात्रावास की क्षमता 175 विद्यार्थियों की है और वर्तमान में सभी सीटें भरी हुई हैं। बस्तर के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थी यहां रहकर अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। नेहरू छात्रावास की सबसे खास बात यह है कि करीब 50 साल बीतने के बाद भी इसकी मूल इमारत में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है।

नगर निगमों के...
रिसाली, स्मृति नगर, रिसाली, शांति नगर, आनंद नगर, आर्य नगर, मैत्री नगर, कुरुद रोड रूंगटा कॉलेज रोड, अवंती बाई चौक के आसपास, नेहरू नगर में कई निजी हॉस्टल हैं। इसी प्रकार दुर्ग शहर में दीपक नगर, आदर्श नगर, गंजपारा, कातुलबोड, मालवीय नगर, संतराबाड़ी, मुकुट नगर, न्यू आदर्श नगर और आसपास के क्षेत्रों में, दीपक नगर, कतुलबोड, गंजपारा में पीजी और हॉस्टल मौजूद हैं। भिलाई, दुर्ग, रिसाली और भिलाई-चरोदा सहित जिले के कई इलाकों में निजी पीजी और हॉस्टल बड़ी संख्या में संचालित हो रहे हैं। खासकर कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। कई जगह मकानों और भवनों को किराए पर लेकर उन्हें पीजी या हॉस्टल के रूप में संचालित किए जा रहे हैं। सबसे गंभीर सवाल क्षमता से अधिक लोगों को एक कमरे में रखने को लेकर उठ रहे हैं। आरोप है कि संचालक बच्चों से मोटी रकम वसूलते हैं और सीमित जगह में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को ठहराया जाता है। इससे कमरे में रहने वाले विद्यार्थियों को पर्याप्त जगह, हवा और अन्य बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पातीं। वहीं कई भवनों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा है।

साबुन हो या टूथपेस्ट,...
अलग-अलग रंग के संकेत दिए जाएंगे। हरा, भूरा या लाल निशान पैकेट के मुख्य डिस्प्ले पैनल के सबसे ऊपर लगाया जाना होगा ताकि ग्राहक इसे आसानी से देख सकें। यह बदलाव सिर्फ खाने-पीने की चीजों तक सीमित नहीं है। साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट और कॉस्मेटिक्स जैसे रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले उत्पादों की पैकेजिंग पर भी वेज-नॉनवेज का साइन देखा दा सकेगा। इसका सीधे तौर पर मतलब है कि किसी प्रोडक्ट को खरीदने से पहले ग्राहक पैकेट पर दिए गए निशान से उसके मूल की जानकारी ले सकेंगे। **खरीदारी करते समय ग्राहक क्या देखें?-** अब साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट या कॉस्मेटिक्स खरीदते समय पैकेट के मुख्य डिस्प्ले पैनल के ऊपरी हिस्से पर नजर जरूर डालें। वहां दिया गया हरा या लाल-भूरा संकेत प्रोडक्ट के वेज या नॉन-वेज मूल की पहचान बताएगा। हालांकि एलर्जी, त्वचा संबंधी जरूरतों या किसी खास सामग्री से बचने के लिए ग्राहकों को इन्ग्रीडिएंट्स लिस्ट और दूसरे जरूरी लेबल भी पढ़ने चाहिए।

कार्तिक-ममूटी बेस्ट...
फिल्म 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी और मंगलवार को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की भव्य पृष्ठभूमि में आयोजित इस समारोह ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। अभिनेता से निर्देशक बने रणदीप हुड्डा को 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का पुरस्कार मिला, जबकि राजकुमार पेरियासामी को तमिल फिल्म 'अमरन' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्कार मिला।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली (छ.ग.)

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::-

क्रमांक/लो.क.वि./2026/ 1353 — रिसाली, दिनांक 21/09/2026

नगर पालिक निगम रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्रं.	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	रिसाली डीपीएस चौक से जोहार चौक तक रोड का विकास कार्य (नगरोत्थान योजना) (2nd call)	199807	492.75	06.10.2026

(नोटः- ई टेण्डर में ऑफलाईन डी.डी., धरोहर राशि एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदाकार की निविदा अमान्य किया जावेगा तथा दर को नहीं खोला जावेगा।)

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम रिसाली

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्युशन कम्पनी लिमिटेड

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्युशन कम्पनी लिमिटेड द्वारा नवनिर्मित 33/11 केव्ही उपकेन्द्र ग्राम– काईंकछार जिला– जशपुर के लिए निर्मित 33 केव्ही लाईन ग्राम– काईंकछार, हटकलता एवं बरपानी से गुजर कर गई है जिसमें दिनांक 25.09.2026 से कभी भी विद्युत प्रवाह चालू किया जावेगा। सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि उक्त नवनिर्मित 33 के0व्ही लाईन से भारतीय विद्युत अधिनियम के अनुसार निर्धारित दूरी बनाकर रखें। उक्त लाईन के खम्भें, तार एवं स्टे इत्यादि से किसी भी प्रकार से छेड़छाड़ से जानमाल की क्षति की आशंका है अतः उक्त लाईन से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें।

यह सूचना जनहित में जारी की जाती है।
"स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा की बचत करें।"

संवाद- 49133

कार्यपालन यंत्री (परियोजना) संभाग
छ.रा.वि.वि.कं.मर्या. जशपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 2835/न.पा.नि. / 2026 — रायगढ़ दिनाँक 22/09/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	199789	संजय मैदान विकास कार्य (बचत कार्य) (द्वितीय निविदा)	40.16	07.10.2026
2	199811	CONSTRUCTION OF PULIA INFRONT OF SPRINGVELLY COLONY AT MANGLUDIPA COLONY W.N. 03, 04 (2nd Call)	44.74	07.10.2026
3	199820	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN FROM KAMLA NEHARU GARDEN TO NALA AT W.N. 23 (2nd Call)	37.90	07.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि., रायगढ़

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » सभी प्रकार के ऑपरेशन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चो के ऑपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्टी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने वाली लेडिस की आवश्यकता है। (मुस्लिम महिला) पता- सीएमडी कॉलेज के सामने, लिंक रोड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9617969000 (41928)

आवश्यकता है- सीसीटीवी, डीटीएच फिटिंग, ऑफिस हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग एवं कम्प्यूटर वर्क हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। इच्छुक सम्पर्क करें- निशानियां मार्केटिंग, जूनी लाइन बिलासपुर 9993455200, 07752407700 (41932)

आवश्यकता है- फर्निशिंग दुकान में कार्य करने हेतु हेल्पर की आवश्यकता है कार्य- फर्निशिंग संबंधी कार्यों में सहयोग। वेतन- योग्यता एवं अनुभव के अनुसार, नौकरी- तुरन्त जॉइनिंग, इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9691146716 (41930)

आवश्यकता है- Zee Guard Solar Pvt. Ltd. को Sales Manager, ड्राईवर, Office Boy, Solar Installer Counselor, Telecaller, Office Manager की आवश्यकता है वेतन 12000 से 25000+ PF+ ESIC+ Fuel Expenses सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक, बिलासपुर 9111880999, 8085045559 (41931)

आवश्यकता है-नर्सरी कक्षा की बच्ची को घर आकर पढ़ाने के लिए होम ट्यूटर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 8815208477 (41923)

आवश्यकता है-बिलासपुर में पारिजात कैसल रिंग रोड नं-2 में स्थित घर में घरेलू काम करने हेतु फुल टाइम स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7974626975 (41924)

आवश्यकता है-घरेलू कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें सुबह 10बजे से 2 तक शाम 5 से 9बजे तक गगन फ्लेक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9039768650, 9425535104 (41918)

आवश्यकता है-Busy सॉफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। वेतन- 10000 से 15000 सम्पर्क करें- यश सुपर बाजार हरिभूमि के पास रिंग रोड नंम्बर- 2, गौरव पथ बिलासपुर 9329941444 (41919)

आवश्यकता है-रियल एस्टेट ऑफिस में कमीशन बेस पर काम करने हेतु लड़की एवं लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रगति कंस्ट्रक्शन सीता देवी पेट्रोल पम्प के पास मोपका 9827979016 (41912)

आवश्यकता है-ई-रिक्शा ड्राइवर (महिला/ पुरुष) प्रचार गाड़ी चलाने के लिए, फील्ड सुपरवाइजर जिसको लोकल एरिया का जानकारी हो (पुरुष/ महिला) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177, 7805884040 (41920)

आवश्यकता है-होटल में काम करने हेतु रोटी बनाने, फ्राइपेन मिस्त्री, हेल्फर, वेटर, साउथ इंडियन मिस्त्री चाहिए वेतन योग्यतानुसार रहने, खाने की उत्तम व्यवस्था सम्पर्क करे- पाण्डेय स्वीट्स अशोक नगर बिलासपुर 9907748408 (41914)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड की तत्काल भर्ती पुराना बस स्टैण्ड, तेलीपारा, तिफरा सिरगिट्टी, परसदा हेतु आवश्यकता है वेतन 9000 से 10000 आवास मुफ्त, सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 9993336942, 95893 16942 (41916)

आवश्यकता है-UTN Shop में मार्केटिंग कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सैलरी 10000 से 15000 एवं रिसेप्शनिस्ट- 1पद सैलरी 6000 पता- शॉप नं.-16, प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (41926)

छोटा विज्ञापन

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है जिसे बिज़ी सॉफ्ट वेयर की पूरी जानकारी हो। पढ़ा लिखा ही सम्पर्क करें- सुनील प्लास्टिक, अजीत होटल के पास मेन रोड, तेलीपारा बिलासपुर 98276 89999(41922)

आवश्यकता है-स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- भाटिया इंटरप्राइजेज नेहरू चौक पेट्रोल पम्प के बाजू में बिलासपुर 7587259295 (41913)

आवश्यकता है-तत्काल आवश्यकता है सोलर कम्पनी में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए किसी भी उम्र के व्यक्ति पार्ट टाइम एवं फुल टाइम कार्य करने के लिए सम्पर्क करें- 7000589595, 9232083236 (41877)

आवश्यकता है-दिन में ड्यूटी कार्य करने हेतु मैनेजर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- किरण लाज गांधी चौक बिलासपुर (41904)

आवश्यकता है-नेत्रालय में कार्य करने हेतु नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जय अम्बे नेत्रालय, महाराणा प्रताप चौक के पास, रिंग रोड नम्बर-2, बिलासपुर 83499 49990, 07752405124, (41895)

आवश्यकता है-सिक्युरिटी एजेन्सी में कार्य करने हेतु योग्य सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है। वेतन 11000 से शुरू, सरकंडा तथा तिफरा वाले को प्राथमिकता। कृपया पूछताछ ना करें। सम्पर्क करें- 9981630084, 94255 34940 (14910)

आवश्यकता है- दो बाई झाड़ू पोंछा, बर्तन सफाई, दो लड़के रूम सर्विस साफ सफाई, एक मैनेजर चाहिए रहने, खाने की सुविधा सम्पर्क करें- नारायण गेस्ट हाउस थर्ड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर 9302855022 (41905)

आवश्यकता है-ढाबा में काम करने हेतु वेटर, तन्दूर मास्टर, हेड मिस्त्री, हेल्पर, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नया हाईकोर्ट के पास, रायपुर रोड बिलासपुर 7000942962, 90989 76666 (41901)

आवश्यकता है- डायग्नोस्टिक एवं सोनोग्राफी सेन्टर के लिए एक कम्प्यूटर टाइपिस्ट कम रेसेप्सनिस्ट, पैथोलॉजी लैब तकनीशियन की मंगला चौक स्थित सेन्टर में आवश्यकता है। अनुभवी एवं योग्य उम्मीदवार अपना बॉयोडाटा 9977833811 व्हाट्सएप नम्बर पर प्रेषित करें। (41911)

हरिभूमि वैवाहिकी

आवश्यकता है-फर्निशिंग शोरूम में कार्य करने हेतु 50 लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार शोरूम में सम्पर्क करें- राजा ब्रदर्स, साइंस कॉलेज के पास सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 9399525343, 74893 33895 (41899)

आवश्यकता है-Wep के अधिकृत एजेंसी में कम्प्यूटर प्रिंटर, इंजीनियर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-94252 80394 (41894)

आवश्यकता है- नेहरू नगर में घरेलू कार्य करने हेतु भरोसेमंद एवं अनुभवी बाई की आवश्यकता है। सुबह 7बजे से शाम 7बजे तक अथवा 24घंटे के लिए। उचित वेतन दिया जाएगा। सम्पर्क करें- 7000370264 (41878)

बेचना है

बेचना है- जरहाभाठा ओम नगर 40×55, सीपत रोड 45×110 विनोबा नगर 40×60, रिंग रोड 40×80 अमेरी चौक 16×65 सकरी बाईपास 100×80 जरहाभाठा कॉलेज के पास 20×53 (आवासीय) रतनपुर रोड 3.25 एकड़, हाईकोर्ट के पास 100×100, 100×200, रामावर्ल्ड में 43×75 प्लॉट सम्पर्क- राम साहू (प्रॉपर्टी डीलर) 9425219647 (41892)

बेचना है-जमीन बेचना है बलगी रोड लाटा आनन्द विहार (पुष्प पल्लव) में सड़क से 50 मीटर की दूरी में विभिन्न साईज के प्लॉट बिक्री हेतु उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9827164642 (41927)

बेचना है-श्रीराम कॉलोनी काली ढाबा के पास रायपुर रोड 2500 वर्गफुट के चार डायवर्टेड प्लॉट टोटल 10000 वर्गफीट अलग अलग या एक साथ बेचना है। सम्पर्क 9755859422 (41898)

बेचना है- तोरवा गुरुनानक चौक स्थित जे.जे. हॉस्पिटल के पास 1619 वर्गफुट में निर्मित 5 दुकानें एवं बसन्त विहार के पास 11×20 फर्स्ट फ्लोर पर ऑफिस अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9301186703 (41929)

बेचना है-बिलासपुर सकरी मेन रोड से ठीक पीछे आवासीय या व्यावसायिक उपयोग हेतु 22000 वर्गफुट हॉस्पिटल, अपार्टमेंट, फ्लैट, रेस्टोरेंट के लिए उपयोगी टुकड़ों में या एकमुश्त बेचना है सम्पर्क करें-7898855268 (41750)

बेचना है-बिलासपुर घुरू नारायणी होम्स में डायवर्टेड प्लॉट 1200 वर्गफुट 14.40 लाख रुपए में एवं 2BHK मकान मात्र 30लाख रुपए में अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9329940681, 84619 97770 (41909)

किराया

किराया-अज्ञेय नगर प्राइम लोकेशन में ग्राउंड फ्लोर पर एक हॉल एक बेडरूम अटैच लेटबॉथ किचन किराए पर देना है सम्पर्क करें- महागौरी मेडिकल मगरपारा बिलासपुर 9399540400, 91311 62578 (41903)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.Ed, B.A, B.Com, B.Sc, BBA, LLB, M.A M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, Polytechnic, BCA, DCA, MCA, PGDCA, B.Tech M.Tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector -6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4171)

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जुगराज, अभिषेक और दिलप्रीत की हैट्रिक से भारत ने श्रीलंका को 16-1 से हराया

एजेंसी ▸▸| काकामिगाहारा

ड्रैग-फ्लिकर जुगराज सिंह के साथ स्ट्राइकर अभिषेक और दिलप्रीत सिंह की हैट्रिक से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को यहां एशियाई खेलों में अपने दूसरे पूल ए मैच में कमजोर श्रीलंका को 16-1 से करारी शिकस्त दी। उम्मीद के मुताबिक भारतीय टीम शुरुआत से ही हावी रही और उसने कमजोर मानी जा रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा। भारत ने इससे पहले इंडोनेशिया को 13-1 से हराया था।

हरमन, मनदीप ने दागे गोल

जुगराज ने चार गोल किए जबकि अभिषेक और दिलप्रीत ने तीन-तीन मैदानी गोल किए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद ने भी गोल किए। श्रीलंका का एकमात्र गोल सुरेश रत्नायके ने 50वें मिनट में किया जो एशियाई खेलों के इतिहास में भारत के खिलाफ उनका पहला गोल था। भारत अब अगले मुकाबले में बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया से खेलेगा।

ई-फुटबॉल में भारत को मिला वॉकओवर

आइची। भारत ने मंगलवार को एशियाई खेलों की ई-स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में ग्रुप एफ के मैच में मंगोलिया के खिलाफ वॉकओवर और उज्बेकिस्तान के साथ 0-0 से ड्रॉ के साथ अपने ई-फुटबॉल अभियान की अच्छी शुरुआत की। डैनियल पटेल और चिन्मय साहू वाली भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान के अबूबाकिर इमिनजोनोव और फरुख मिर्खामितोव की जोड़ी के खिलाफ गोल-रहित ड्रॉ खेला। हालांकि अपने दूसरे मैच में भारत को मंगोलियाई टीम (मुंख-ओचिर बटमनलाई और खानतामिर मुंख-ओर्गिल) से वॉकओवर मिला।

प्रणति ने वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया

नागोया। एशियाई खेलों में भारत की एकमात्र जिमनास्ट प्रणति नायक ने मंगलवार को कलात्मक जिमनास्टिक स्पर्धा में सातवां स्थान हासिल करके वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।एशियाई जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप में तीन बार कांस्य पदक जीतने वाली प्रणति 19 जिमनास्ट में सातवें स्थान पर रहीं जिससे उन्होंने वॉल्ट स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल 24 सितंबर को होगा। प्रणति ने वॉल्ट 1 में 13.000, वॉल्ट 2 में 12.433 का स्कोर किया। बंगाल की इस जिमनास्ट ने 12.916 के स्कोर से 'ओवरऑल' सूची में सातवां स्थान हासिल किया।

इलावेनिल-पार्थ की जोड़ी 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथे स्थान पर

नागोया। भारतीय निशानेबाज इलावेनिल वलारिवन और पार्थ माने की जोड़ी मंगलवार को यहां एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में क्वालीफिकेशन की शानदार लय को बरकरार नहीं रख सकी और चौथे स्थान पर रही। इलावेनिल और पार्थ इससे पहले अपनी टीम स्पर्धाओं में रजत पदक जीत चुके थे लेकिन मिश्रित फाइनल में चीन, दक्षिण कोरिया और जापान की जोड़ियों को चुनौती पेश नहीं कर सके। भारतीय जोड़ी पूरे फाइनल के दौरान पिछड़ती रही और अंततः 376.3 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गई। चीन की वांग झिफेई और शेंग लिहाओ की जोड़ी ने 507.1 अंक के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दक्षिण कोरिया की बान ह्योजिन और पार्क हाजुन ने 502.9 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि जापान के नाओकी हानाकावा और मिसाकिया नोबाटा ने 439.7 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन में चौथे स्थान पर रहे वियतनाम को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

भारत ने जापान को हराकर जीता ऐतिहासिक मुकाबला

नागोया। भारतीय क्रिकेट टीम ने जापान क्रिकेट टीम को पहले ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला में 2 रन से हराकर जीत दर्ज कर ली। यह मैच कांतो के सानो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान खेला गया था। बारिश के कारण मुकाबले को 5-5 ओवर का किया गया था। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 32/4 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में जापान की टीम पूरे ओवर खेलने के बाद 30/3 का स्कोर ही बना पाई।

चार्ली हारा-हिंजे के नाम दर्ज हुई यह उपलब्धि

इस मुकाबले में उतरने के साथ ही जापान के चार्ली हारा-हिंजे के नाम खास उपलब्ध दर्ज हो गई। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के खिलाफ खेलने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 17 साल 357 दिन की उम्र में यह कारनामा किया है। इस सूची में नेपाल क्रिकेट टीम के गुलशन झा (17 साल और 228 दिन) पहले और नामीबिया क्रिकेट टीम के मैक्स हिंगो (17 साल और 341 दिन) दूसरे पायदान पर मौजूद हैं।

भारत ने इस तरह दर्ज की जीत

मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। 7 रन के कुल स्कोर पर सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए। उसके बाद भारत ने कप्तान श्रेयस अय्यर (16) और संजू सैमसन (9) की पारियों से 32/4 का स्कोर खड़ा किया। जापान से चार्ली हारा-हिंजे ने सर्वाधिक 2 विकेट लिए। जवाब में जापान की टीम कप्तान केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग (12) और बेंजामिन इतो-डेविस (9) की पारी से 30/3 ही बना पाई।

खबर संक्षेप

जय मीणा सॉफ्ट टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नागोया। भारत के जय मीणा मंगलवार को एशियाई खेलों में सॉफ्ट टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जय ने ग्रुप डी में पाकिस्तान के अराइन हुसैन को 4-0 से हराया। क्वार्टर फाइनल में अब उनका मुकाबला फिलीपींस के शेरविन नुगुइट से होगा। आर्यन ठाकुर ने मंगोलिया के अल्टांगेरेल बोल्ड-एर्डेने पर 4-0 से जीत दर्ज की, लेकिन हिगाशियामा पार्क टेनिस सेंटर में चीनी ताइपे के चेन पो-यी से 0-4 से हार गए। आध्या तिवारी ने महिला एकल में पाकिस्तान की कायनात शलवानी को 4-0 से हराया।

मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन। वनडे और टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम के सदस्य और अपनी पीढ़ी के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक मार्क वुड ने चोटों की समस्याओं के कारण मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। वुड ने एक बयान में कहा, ''मैंने हमेशा दृढ़ रहने और चोट से उबरकर लोगों को गलत साबित करने और सबको अपनी क्षमता दिखाने की कोशिश की है। दुर्भाग्य से इस बार मैं यह लड़ाई हार गया।''वुड ने अपने 11 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत 38 टेस्ट मैचों में 119 विकेट, 70 वनडे मैचों में उनके 80 विकेट और 38 टी20 मैचों में 54 विकेट के साथ किया।

भारत ने कोरिया को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान बरकरार रखा

नागोया। गत चैम्पियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने मंगलवार को यहां एशियाई खेलों के ग्रुप ए के मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 63-31 से करारी शिकस्त देकर अपना दबदबा कायम रखा। यह भारत की लगातार दूसरी जीत है और टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर बनी हुई है। भारत अब बुधवार को बांग्लादेश से भिड़ेगा जबकि ग्रुप ए के अपने अंतिम मुकाबले में बृहस्पतिवार को चीनी ताइपे का सामना करेगा। भारत ने खिताब की रक्षा के अपने अभियान की शुरुआत मेजबान जापान के खिलाफ 49-24 की शानदार जीत के साथ की थी।भारतीय महिला टीम बुधवार को ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में ईरान का सामना करेगी। उसने सोमवार को अपने पहले मैच में बांग्लादेश को हराया था। पुरुष कबड्डी में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और मध्यांतर तक 34-14 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में भी भारत ने 29-17 से बढ़त बनाते हुए मैच अपने नाम किया। भारत ने सफल रेड से 38 अंक, 17 बोनस अंक, ऑलआउट से छह अंक और सुपर टैकल से दो अंक हासिल किए। कोरिया ने भारतीय खिलाड़ियों को आउट करके 23 अंक और बोनस से आठ अंक जुटाए।

पाकिस्तान ने जीता कांस्य, बांग्लादेश को 31 रनों से हराया

नागोया। जापान के आइची-नागोया में आयोजित हो रहे एशियाई खेल 2026 में पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। मंगलवार को तीसरे स्थान के लिए कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम को 31 रनों से हरा दिया। इसके साथ पाकिस्तान ने 2023 के हांग्जो एशियाई खेलों के कांस्य पदक मैच में बांग्लादेश से मिली मिली हार का बदला भी ले लिया है।

रोशिबिना ने वुशु में पदक किया पक्का, सेमीफाइनल में पहुंचीं

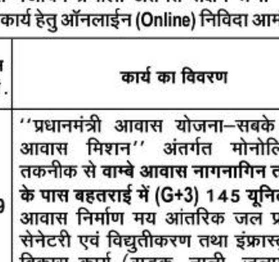

नागोया। रोशिबिना देवी नाओरेम ने एशियाई खेलों में मंगलवार को वुशु के महिला 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाकर भारत के लिए एक पदक पक्का कर लिया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मकाऊ की चू मैन सिन को हराया। रोशिबिना को 'आइची प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल' में मकाऊ की अपनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अंकों के अंतर के आधार पर विजेता घोषित किया गया। इस बीच, आर्यन पुरुषों के 56 किग्रा सांडा स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान के सैद्रुलो अबुराशितोव से 1-2 (5-0 0-5 0-5) से हार गए।

FORM NO. IV
[See sub-rule (2A) of rule 5]
(Summon under Sub-Section (4) of section19 of the Act, read with Sub Rule (2A) of rule 5 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

BEFORE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JABALPUR
AT H.NO. 797-II, SHAKTIKKUNJ, SOUTH CIVIL LINES, JABALPUR
O.A. NO. 1785/2025

State Bank of India ...Applicant(s)
VERSUS
NARESH CLOTH ...Defendant(s)

1. **श्री रमेश कुमार खुबवानी** पुत्र श्री लुढ़ोमल खुबवानी, निवासी फ्लैट नो. 101, साई शरण नियर साई मंदिर,व्यापार विहार रोड, बिलासपुर, सी.जी. 495001.
2. **श्री नरेश कुमार खुबवानी** पुत्र श्री लुढ़ोमल खुबवानी, निवासी फ्लैट नो. 101, साई शरण, नियर साई मंदिर,व्यापार विहार रोड, बिलासपुर, सी.जी. 495001.

इसके अलावा:- 31, डिपारा पारा, आदर्श कॉलोनी, बिलासपुर, सी.जी.-495001

जबकि, ओ.ए. संख्या **OA 1785/2025** माननीय न्यायाधिकरण के समक्ष दिनांक **29/01/2026** को सूचीबद्ध थी। यह माननीय न्यायाधिकरण अधिनियम की धारा 19 (4) के तहत आपके विरुद्ध दायर उक्त आवेदन (ओ.ए.) पर प्रकाशन जारी कर रहा है, जिसमें **Rs 2,39,47,084/-** रुपये की कर वसूली, व्यय और भविष्य के ब्याज सहित, की मांग की गई हैअधिनियम की धारा 19 की उपधारा (4) के अनुसार, आप प्रतिवादियों को निम्नलिखित निर्देश दिए जाते हैं. समन/प्रकाशन की तामील होने के तीस दिनों के भीतर यह कारण बताना होगा कि मांगी गई राहत क्यों नहीं दी जानी चाहिए

(1.) मूल आवेदन के क्रमांक 3ए के अंतर्गत आवेदक द्वारा निर्दिष्ट संपत्तियों और परिसंपत्तियों के अतिरिक्त अन्य संपत्तियों या परिसंपत्तियों का विवरण प्रकट करना

(2.) आपको मूल आवेदन के क्रमांक 3ए के तहत प्रकट की गई सुरक्षित संपत्तियों या ऐसी अन्य संपत्तियों और संपत्तियों से निपटने या उनका निपटान करने से प्रतिबंधित किया जाता है, जब तक कि संपत्तियों की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई और निपटान नहीं हो जाता

(3.) आप अपने व्यवसाय के सामान्य क्रम को छोड़कर, बिक्री, पट्टे या किसी अन्य माध्यम से उन संपत्तियों में से किसी का भी हस्तांतरण नहीं करेंगे जिन पर सुरक्षा हित सृजित किया गया है औरध्या मूल आवेदन के क्रमांक 3ए के तहत निर्दिष्ट या प्रकट की गई अन्य संपत्तियों और परिसंपत्तियों का हस्तांतरण न्यायाधिकरण की पूर्व स्वीकृति के बिना नहीं करेंगे।

(4.) आप व्यवसाय के सामान्य क्रम में सुरक्षित परिसंपत्तियों या अन्य परिसंपत्तियों और संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त विक्रय आय का हिसाब देने और ऐसी परिसंपत्तियों पर सुरक्षा हित रखने वाले बैंक या वित्तीय संस्थानों के पास रखे गए खाते में ऐसी विक्रय आय जमा करने के लिए उत्तरदायी होंगे।

आपको निर्देश दिया जाता है कि आप लिखित बयान दाखिल करें और उसकी एक प्रति आवेदकों को उपलब्ध कराएं। यह लिखित बयान **04/01/2027 को सुबह 10:30 बजे** दाखिल करना होगा, अन्यथा आवेदन आपकी अनुपस्थिति में सुना जाएगा एवं एकपक्षीय निर्णय लिया जाएगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायाधिकरण की मुहर के तहत, इस दिनांक **15/09/2026** को दिया गया।

न्यायाधिकरण के अदेशानुसार — रजिस्ट्रार
मुहर — ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर, म.प्र.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
टेंडर नोटिस

No. 110/06/एएमसी/एमसीपी/ दिनांक: 18.09.2026 **निविदा सूचना क्रमांक:** 110/06/ एएमसी/ एमसीपी/ अपलोड करने की तिथि 18.09.2026. **कार्य का नाम:** डीजल लोको शेड, रायपुर के पारंपरिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में लगे ELGI के TRC 1000 MN और TRC 1000 MNUG मेन कंप्रेसर की मरम्मत और ओवरहॉलिंग के लिए सालाना रखरखाव अनुबंध। **निविदा मूल्य:** ₹74,13,784/- **अग्रिम धन राशी:** ₹1,48,300/- **निविदा दस्तावेज की लागत:** ₹5,000/- **निविदा और समय की समाप्ति तिथि:** 12:00 Hrs. on 10.10.2026 **निविदा आमंत्रित करने वाला प्राधिकरण:** वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डी) डी.एल. एस. रायपुर/ द.पू.म.रे.। इस निविदा के खिलाफ मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस तरह के किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के लिये पूर्ण विवरण, कृपया Sr.DME/ DLS/ SECR/ रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें या डाउनलोड करें।

वरि० मंडल यांत्रिक अभियंता (डी) डी.एल.एस. रायपुर
PR/R/SR.DME(DLS/R)/D360/210
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
प्रि-क्वालीफिकेशन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 22/न.पा.नि./PMAY/2026-27 — बिलासपुर दिनांक 22/09/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड/ सबमिट करने की अंतिम तिथि
199989	''प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन'' अंतर्गत मोनोलिथिक तकनीक से वाम्बे आवास नागनागिन तालाब के पास बहतराई में (G+3) 145 यूनिट शेष आवास निर्माण मय आंतरिक जल प्रदाय, सेनेटरी एवं विद्युतीकरण तथा इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कार्य (सड़क, नाली, जलप्रदाय, सीवर नेटवर्क इत्यादि)	342.12	19 / 10 / 2026

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
Green City, Clean City, Dream City. — नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

Chhattisgarh State Electricity Regulatory Commission
Irrigation Colony, Shanti Nagar, Raipur - 492 001 (C.G.) Ph.0771-4073568, Fax: 4073553
Website: www.cserc.gov.in, E-mail: cserc.sec.cg@nic.in

PUBLIC NOTICE

In exercise of power vested under section 181 of the Electricity Act 2003 (36 of 2003), the Commission has prepared draft of Chhattisgarh State Electricity Regulatory Commission (Grid Interactive Distributed Renewable Energy Sources) (Third Amendment) Regulations, 2026.

Copy of Draft Regulations is available on the website-www.cserc.gov.in.Considered views/comments/suggestions of the stakeholders/public are invited by 13.10.2026 and public hearing will be held on 14.10.2026 at 11.30 AM at the Commission's office.

"SAVE ELECTRICITY" — SECRETARY

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु ई- निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/32/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	20264057B	एयर कंप्रेसर [मैन, (आयल लुब्रिकेटेड) 1745 LPM कैपेसिटी	15 नंबर्स	28/09/2026
2	8125WCRT P-27	10 mm थिक पॉकेट टाइप नायलॉन कॉर्ड Reinforced ग्रूवेद रबर सोल प्लेट्स	1200 सेट्स	06/10/2026
3	38261754	साइड stanchion चैनल फॉर BOXNHL वैगन	1279 नंबर्स	14/10/2026
4	8125WCRT P-22A	Manufacture एंड सप्लाई ऑफ मेटल लाइनर to RDSO Drg. No. RT-8748 for 60 kg (UIC)/60 E1 रेल्स विथ लेटेस्ट alterations-1 फॉर यूज विथ वीडर PSC स्लीपर	11500000 नंबर्स	16/10/2026
5	40262064B	ब्रुशलेस DC (BLDC) रेलवे कैरिज फैन कम्पलीट विथ ब्लेड	3240 नंबर्स	16/10/2026
6	8125WCRT P-25A	Manufacture एंड सप्लाई ऑफ मेटल लाइनर्स 60 kg फॉर यूज विथ ERC MK-III फ्लैट toe on PSC स्लीपर्स फॉर 60 kg (UIC) रेल	11000000 नंबर्स	26/10/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

सार्वजनिक सूचना

कोरबा पावर लिमिटेड से पीजीसीआईएल तागा पूलिंग स्टेशन तक 400 केवी डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन को ऊर्जान्वित करने की सूचना दिनांक 25.09.2026 से प्रभावी।

विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों और सक्षम अधिकारियों द्वारा दी गई स्वीकृतियों के अनुसार, **मेसर्स कोरबा पावर लिमिटेड (पूर्व में लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)** ने कोरबा पावर लिमिटेड स्विचयार्ड, ग्राम पताढ़ी, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) से पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल), तागा पूलिंग स्टेशन, जिला जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) तक 400 केवी डबल सर्किट (डी/सी) ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण पूरा कर लिया है।

इसके द्वारा जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त 400 केवी डी/सी ट्रांसमिशन लाइन 25.09.2026 को या उसके बाद किसी भी समय ऊर्जान्वित (चार्ज) किया जा सकता है।

इस योजना के अंतर्गत आने वाली ट्रांसमिशन लाइनें छत्तीसगढ़ राज्य के निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, ऊपर, आसपास और बीच से गुजरें

गांवों का नाम	तहसील	जिला
पतराही, खोरदाल, बारीडीह, कटबितला] दर्राभाठा, अखरपाली, बरैरी, मसान, कुदुरमाल, देवरी, देवीरमाल, उरग, भादा	कोरबा	कोरबा
बैगापाली, पकरीभाठा, भैंसामुरा, संडेल, तरदा, भांठापारा, कठनमाल, भाठापारा, धनवारपारा, कनकी, कटरापारा, जोगीपाली, डोंगरा, झिंका, मोहरा, मझगांव, गितारी, चिचोली, थिटोली, सरगबुंदिया, कटहरीमाल, बगदर, भाटापारा	करतला	
केराकछार, देवरी, पुरेना, तिंगीपुर, पहाड़िया, उरई खुर्द, उरई कलां, पंतोरा, परसाभाठा, केरा, रामपुर, दमखाचा, खारी, गतवा, पोथरापाली, किंद्रापारा, सरायजाली, बरबहा, सलियाभाठा, सत्तीगुड़ी, खैजा, बोहरापाली, नारा, खरमोरा, खरमोरा बोकरेल, गोवाबंद, घटादेई, बैजलपुर, करमंदा, खोहा, मोहर, परसाभट्ठा, उसलापुर, अंगारखार, कांड्रा, कोलिहा देवरी	बलोदा	जांजगीर- चांपा
पाली, सिवनी, कनाइबंड, बोदसरा, बनारी, पुटपुरा, कर्रापाली, तेंदूभाठा, खैरवारटोला, मरकडिन, हाथीटिकरा, सबरिया, सरखों, नैला, पाहंदा, घनवा	जांजगीर	
जैतून, घनवा, तागा, परसदा, चोरभट्टी, गरहोइया, पौना, बिरकोनी, गधोला	अकलतरा	

सभी निवासियों, भूस्वामियों और जनता के सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे ट्रांसमिशन टावरों, कंडक्टरों, अर्थ वायर और अन्य संबंधित ट्रांसमिशन संरचनाओं से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। जनता को यह भी सलाह दी जाती है कि वे ट्रांसमिशन टावरों पर न चढ़ें, सामग्री का भंडारण न करें, निर्माण गतिविधियाँ न करें, ऊंचे पेड़ न लगाएं या ट्रांसमिशन सिस्टम के किसी भी हिस्से में हस्तक्षेप न करें। सुरक्षा सावधानियों के उल्लंघन या ट्रांसमिशन लाइन के साथ अनधिकृत हस्तक्षेप से होने वाली किसी भी जान-माल की हानि, व्यक्तियों या जानवरों को चोट, या संपत्ति को नुकसान की पूरी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।

"सुरक्षित और विश्वसनीय विद्युत प्रसारण"

द्वारा जारीः
मेसर्स कोरबा पावर लिमिटेड
(पूर्व में लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
ग्राम- पताढ़ी, पोस्ट- तिलकेजा, तहसील कोरबा, जिला- कोरबा, छत्तीसगढ़- 495674

दिनांकः 23.09.2026

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT BILASPUR CHHATTISGARH

CAVEAT APPLICATION NO.2026 ______ [W.P. (C) NO. 2026

CAVEATORS / APPLICANTS / PROPOSED RESPONDENTS:

(1) South Eastern Coalfield Limited,Through Chairman cum Managing Director, South Eastern Coalfield Limited, Head quarter Seepat Road Bilaspur (C.G.).
(2) General Manager South Eastern Coalfield Limited, Raigarh Area ,District – Raigarh (C.G.).

VERSUS

NON-APPLICANT / PROPOSED PETITIONER
The General Public
CAVEAT APPLICATION UNDER SECTION 148A OF CIVIL PROCEDURE CODE

The above named Caveator/Applicant/Proposed Respondent most humbly begs to submit as under:-

1. That, the Chhattisgarh Environment Protection Board (CECB) have issued the two notice dated 25-08-2026 for Public Hearing which is scheduled on 29.09.2026 at 11:00 AM at Govt. Primary school ground, Village Bhandhapali, Tehsil Chhal, District Raigarh in respect of Chhal OCP (12 MTPA) within the Mining Lease area of 1206.695 hectares and Public Hearing is scheduled on 01.10.2026 at 11:00 AM at Dhaan Mandi Ground, Village Kurmibhauna, Tehsil Gharghoda, District Raigarh in respect of Baroud OCP (15 MTPA) within the Mining Lease area of 1856.22 hectares. The copies of the Public Hearing notice issued by the by the Chhattisgarh Environment Protection Board (CECB) are being herewith as Annexure C/1.
2. The aforesaid Public Hearings are being conducted by the Chhattisgarh Environment Protection Board (CECB) in accordance with the provisions of the EIA Notification dated 14.09.2006 issued by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Government of India, for obtaining Environmental Clearance above project .
3. It is submitted that Chhal OCP and Baroud OCP, Raigarh Area, SECL as well as proposed Caveator/Applicant/Proposed Respondents/SECL apprehend that any individual or organization may file a Writ Petition under Article 226&227 of the Constitution of India before the Hon'ble High Court of Chhattisgarh at Bilaspur, challenging the legality and validity of the notice of Public Hearings scheduled in connection with the Environmental Clearance proposals of the above projects.
4. That , the caveator's/SECL apprehend that the any aggrieved persons /proposed petitioner from General Public can file a Writ Petition (Service) under article 226 & 227 of the Constitutions of India before this Hon'ble court of C.G. against the said legality and validity of the notice issued by the the Chhattisgarh Environment Protection Board (CECB) for Public Hearings scheduled in connection with the Environmental Clearance proposals of the above projects and also may seek interim relief or stay on said notice of the Public Hearings scheduled in connection with the Environmental Clearance proposals of the above projects. Therefore in that situation the caveators may kindly be afforded an opportunity of hearing, before passing any interim order against said notice of the Public Hearings scheduled in connection with the Environmental Clearance proposals of the above projects in favour of the proposed petitioner/applicant, in the interest of justice.
5. That, this notice of caveat application has been published in daily newspaper. Copy of Daily News Paper is being filed herewith as Annexure C/2.

PRAYER

It is, therefore, prayed that this Hon'ble Court be pleased to afford an opportunity of hearing to the Caveators/Applicants/Proposed Respondents before passing any interim order in favour of the proposed petitioner against notice issued by the Chhattisgarh Environment Protection Board (CECB) for Public Hearing which is scheduled on 29.09.2026 at 11:00 AM at Govt. Primary school ground, Village Bhandhapali, Tehsil Chhal, District Raigarh in respect of Chhal OCP (12 MTPA) within the Mining Lease area of 1206.695 hectares and Public Hearing is scheduled on 01.10.2026 at 11:00 AM at Dhaan Mandi Ground, Village Kurmibhauna, Tehsil Gharghoda, District Raigarh in respect of Baroud OCP (15 MTPA) within the Mining Lease area of 1856.22 hectares in connection with the Environmental Clearance proposals of the above projects., in the interest of justice.

Bilaspur — (Vinod Deshmukh)
Dated : — Counsel for caveators/proposed respondents/SECL

अल नीनो को लेकर वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं। अब अल-नीनो ने प्रशांत महासागर में एक नया रिकॉर्ड बना लिया है, जो ऐतिहासिक है। निनो नाम इलाके में समुद्र की सतह का औसत तापमान सामान्य से 3.05 डिग्री सेल्सियस ज्यादा तक पहुंच चुका है, जो 1991-2020 की औसत तुलना में अब तक का सबसे ज्यादा दैनिक तापमान है।

अल-नीनो ने तोड़ा तापमान का रिकॉर्ड, दुनिया में अब आएगी तबाही!

वॉशिंगटन। 2015 में नवंबर में करीब 3.02 डिग्री सेल्सियस का था, जो इस बार सितंबर में ही पहुंच गया है। सामान्य दो महीने पहले ही तापमान 3.05 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अल-नीनो अभी भी तेज हो रहा है और दिसंबर तक अपने चरम पर पहुंच सकता है। अल-नीनो एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इस दौरान प्रशांत महासागर में पूर्वी और मध्य हिस्से का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है, जो हवाओं में बदलाव से शुरू होता है। गर्म पानी से वाष्पीकरण बढ़ जाता है, जो पूरी दुनिया के मौसम पैटर्न को प्रभावित करता है।

दुनिया में समुद्र का तापमान पहले से बढ़ा हुआ, इसके कारण नई घटनाओं की बढ़ सकती है तीव्रता

भारत पर क्या होगा असर?

एशिया में भारत समेत कई देशों में मॉनसून कमजोर हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया में सूखा पड़ सकता है। अफ्रीका के कुछ इलाकों में भी बारिश के पैटर्न में बदलाव हो सकता है। कुल मिलाकर बाढ़, सूखा, गर्मी की लहरें और तूफान जैसी घटनाएं बढ़ सकती हैं।

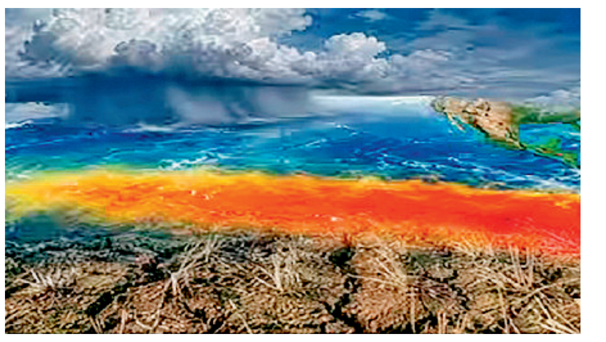

क्या रिकॉर्ड बढ़ाएगा खतरा?

प्रशांत महासागर के निनो 3.4 इलाके में तापमान मापा जाता है और अल-नीनो की तीव्रता का आकलन किया जाता है। 3.05 डिग्री सेल्सियस तापमान आधुनिक रिकॉर्ड में सबसे ज्यादा है। यह 1982, 1997 और 2015 जैसी मजबूत घटनाओं से आगे जा चुकी है। कुछ आंकड़ों में इसकी 1877 की ऐतिहासिक घटना से भी तुलना हो रही है। इस दौरान बड़े पैमाने पर सूखा और अकाल पड़ा था। मॉडल के मुताबिक, मासिक औसत और भी ऊपर पहुंच सकता है। कुछ अनुमानों में 4 डिग्री के करीब पहुंचने की संभावना जताई गई है, लेकिन यह अभी निश्चित नहीं है। यह रिकॉर्ड इसलिए अहम है, क्योंकि अल-नीनो जलवायु परिवर्तन के साथ मिलकर प्रभाव को बढ़ा सकता है। गर्म हो रही दुनिया में समुद्र का तापमान पहले से बढ़ा हुआ है। इसके कारण नई घटनाओं की तीव्रता बढ़ सकती है।

क्या होगा दुनिया पर प्रभाव?

दुनिया में अल-नीनो का प्रभाव अलग-अलग क्षेत्रों में अलग होता है। अमेरिका में इस सर्दी में सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ सकता है। उत्तरी इलाके में सामान्य से ज्यादा गर्मी, पश्चिमी-मध्य हिस्सों में ज्यादा बर्फबारी हो सकती है। दक्षिण अमेरिका में पेरू और चिली में भारी बारिश और बाढ़ की घटनाएं पहले से देखी जा रही है। मध्य अमेरिका और कैरेबियन में सूखा पड़ने की संभावना है।

संयुक्त परिवार

भारत के इस सबसे बड़े परिवार की कहानी किसी फिल्म से कम नहीं

100 कमरों का घर, 39 पत्नियां, 94 बच्चे...

आइजोल। आज जब संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और लोग नौकरी, पढ़ाई या बेहतर जीवन की तलाश में अलग-अलग शहरों में बस रहे हैं, तब भारत के एक गांव में ऐसा परिवार भी है जो अब भी एक साथ रहने की मिसाल बना हुआ है। हम बात कर रहे हैं मिजोरम के बक्तावंग गांव में स्थित चाना के परिवार की, जिसे दुनिया के सबसे बड़े परिवारों में गिना जाता है। इस परिवार के सदस्यों की संख्या 40...50..100...150 नहीं, बल्कि 200 है। किसी आम परिवार की तरह यहां सिर्फ माता-पिता और बच्चे नहीं रहते थे। इस परिवार में 39 पत्नियां, 94 बच्चे, 14 बहुएं, 33 पोते-पोतियां और कई अन्य सदस्य शामिल थे। सोचिए, जिस घर में शादी-ब्याह के दौरान 30-40 मेहमानों के आने पर व्यवस्था संभालना मुश्किल हो जाता है, वहां रोजाना सैकड़ों लोग एक साथ रहते, खाते और जीवन बिताते थे। यही बात इस परिवार को दुनिया के बाकी परिवारों से अलग बनाती है।

मिजोरम के बक्तावंग गांव में स्थित चाना का परिवार दुनिया के सबसे बड़े परिवारों में गिना जाता है। इस परिवार में 200 के करीब सदस्य एक साथ रहते हैं। परिवार के मुखिया की साल 2021 में मौत हो चुकी है।

एक धार्मिक समुदाय से शुरू हुई असाधारण कहानी : इस परिवार की कहानी सिर्फ संख्या की कहानी नहीं है। इसकी शुरुआत 1942 में हुई थी, जब आंगतुआहा ने लालपा कोहरान थार नाम के धार्मिक समुदाय की स्थापना की। 1997 में पिता की मृत्यु के बाद ज़िओना चाना इस समुदाय के प्रमुख बने और उन्हें 'हप्पा' यानी नेता कहा जाने लगा। उनके नेतृत्व में यह परिवार और समुदाय दोनों तेजी से बढ़े। साल 2021 में जिओना चाना की मौत हो गई, लेकिन आज की तारीख तक ये परिवार एकजुट है और पहले जैसी ही व्यवस्था का पालन कर रहा है।

परिवार ही नहीं, खुद का इकोसिस्टम भी बनाया

इस विशाल परिवार की एक और अनोखी बात यह है कि उसने अपने लिए अलग व्यवस्था खड़ी कर ली है। परिवार अपनी जरूरत की फसल खुद उगाता है। पशुपालन करता है। फर्नीचर बनाने और एल्युमिनियम के बर्तन तैयार करने जैसे काम भी परिवार के सदस्य ही करते हैं। जिओना चाना ने अपने बच्चों के लिए स्कूल तक स्थापित किया था। स्कूल में सरकारी पाठ्यक्रम के साथ समुदाय से जुड़े विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यही वजह है कि यह परिवार सिर्फ बड़ा नहीं है, बल्कि काफी हद तक आत्मनिर्भर भी है।

100 कमरों का ऐसा घर, जो किसी हॉस्टल से कम नहीं

बक्तावंग की पहाड़ियों के बीच बना 'कोहरान थार नाम रन' नाम का चार मंजिला मकान पहली नजर में किसी हॉस्टल या छोटे होटल जैसा लगता है। घर में करीब 100 कमरे हैं और बाहर से आने वाले मेहमानों के लिए अलग गेस्ट हाउस भी बनाया गया था। यही मकान आज मिजोरम के सबसे चर्चित पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां पहुंचने वाले पर्यटक अक्सर यह देखकर हैरान रह जाते हैं कि एक परिवार के लिए इतना विशाल ढांचा कैसे बनाया गया और आज भी उसका इस्तेमाल कैसे हो रहा है। दिलचस्प बात यह है कि घर के अंदर भी एक तय व्यवस्था है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बड़ी उम्र की पत्नियां ऊपर के हिस्से में रहती हैं, जबकि कुछ युवा पत्नियां निचली मंजिलों पर रहती थीं। घर के भीतर जिम्मेदारियों का ऐसा बंटवारा है कि इतनी बड़ी आबादी के बावजूद व्यवस्था बिखरती नहीं थी।

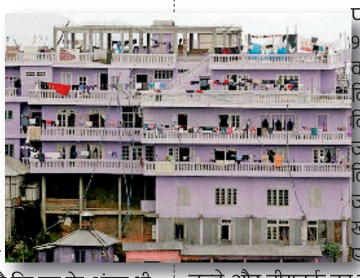

इस परिवार की रसोई ही सबसे बड़ा है अजूबा

अगर किसी घर में 10 मेहमान आ जाएं तो रसोई का बजट और मेहनत दोनों बढ़ जाते हैं। लेकिन कल्पना कीजिए उस रसोई की, जहां रोजाना दर्जनों नहीं ,बल्कि सैकड़ों लोगों के लिए खाना तैयार होता हो। परिवार के लिए रोजाना 45 से 90 किलोग्राम तक चावल, करीब 40 किलोग्राम आलू, 25 किलोग्राम सब्जियां और 20 किलोग्राम दाल इस्तेमाल की जाती है। मांसाहारी भोजन के लिए 30 से 35 मुर्गों तक की जरूरत पड़ती है। खाना बनाने के लिए बड़े एल्यूमिनियम के बर्तन, बड़े चूल्हे और टीमवर्क का सहारा लिया जाता है। घर की बहुएं खाना बनाती हैं, बेटियां सफाई और कपड़ों का काम संभालती हैं, जबकि पुरुष खेती, पशुपालन, बढ़ईगिरी और छोटे उद्योगों में लगे रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो यह परिवार किसी छोटे गांव की तरह आत्मनिर्भर व्यवस्था पर चलता है।

गिनीज रिकॉर्ड का मौका मिला लेकिन खुद ही मना कर दिया

एक दिलचस्प बात ये भी है कि इतने बड़े परिवार के कारण दुनिया भर का मीडिया जिओना चाना के पीछे पड़ गया था। साल 2011 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से भी सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई। लेकिन, बताया जाता है कि परिवार के मुखिया जिओना चाना ने प्रचार पसंद न होने की वजह से रिकॉर्ड में शामिल होने से इंकार कर दिया। इसके बावजूद वर्ल्ड रिकॉर्ड एकेडमी, वॉल स्ट्रीट जर्नल और लंदन वर्ल्ड रिकार्डस ने इस परिवार को दुनिया के सबसे बड़े परिवारों में शामिल किया।

2021 में हुई मृत्यु, लेकिन परिवार आज भी चर्चा में

13 जून 2021 को 75 वर्ष की उम्र में जिओना चाना का निधन हो गया। उस समय उन्हें डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं थीं। जिओना चाना भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन, बक्तावंग की पहाड़ियों में बना उनका 100 कमरों वाला घर आज भी आबाद है। सैकड़ों लोग अब भी एक साथ रहते हैं, एक साथ खाना खाते हैं और एक ऐसी परंपरा को जिंदा रखे हुए हैं, जो आधुनिक भारत में तेजी से खत्म होती जा रही है।

यू ट्यूब व्यूज के चक्कर में 9 साल के बच्चे ने फूंक डाले 1 करोड़ रुपए, दांव पर लगी पिता की नौकरी

लंदन। एक 9 साल के बच्चे ने अपने यूट्यूब चैनल पर व्यूज और सब्सक्राइबर्स बढ़ाने के चक्कर में ऐसा कारनामा कर दिया, जिसने उसके पिता को सड़क पर आने की नौबत तक पहुंचा दिया है। बच्चे ने अनजाने में अपने पिता की कंपनी के क्रेडिट कार्ड से विज्ञापनों पर 1 लाख 18 हजार डॉलर (करीब 1.13 करोड़ रुपए) खर्च कर डाले। इस पूरे मामले का खुलासा खुद बच्चे के पिता डेव ने अपने बेटे के यूट्यूब चैनल माइटी माइक प्लेज पर एक वीडियो डालकर किया है। मार्केटिंग का काम करने वाले डेव ने बताया कि उनका 9 साल का बेटा माइक माइनक्राफ्ट और रोब्लॉक्स जैसे गेम खेलकर यूट्यूब पर डालता था। जब माइक के वीडियो पर व्यूज नहीं आ रहे थे, तो डेव ने उसकी खुशी के लिए अपनी कंपनी के कार्ड से 20 डॉलर (करीब 1900 रुपए) का एक छोटा सा विज्ञापन चला दिया। पिता को यह ऐड लगाते देख माइक ने पूरा प्रोसेस ध्यान से देख लिया।

ज्यादा पैसा मतलब ज्यादा व्यूज

पिता के गूगल अकाउंट में कंपनी का कार्ड पहले से सेव था और उस पर कोई लिमिट या पैरेंटल कंट्रोल नहीं लगा था। माइक ने अपने बाल मन में सोचा कि 'ज्यादा पैसा लगाने से ज्यादा व्यूज आएंगे'। उसने खुद ही ऐड सेट किए और बिना किसी रोक-टोक के लगातार कैंपेन चला दिए।

चैनल पर लगा ब्रेक

डेव ने इस वीडियो में अपनी गलती मानते हुए कहा कि उन्हें अपने काम के अकाउंट में कंपनी का कार्ड सेव करके नहीं रखना चाहिए था और पैरेंटल कंट्रोल लगाना चाहिए था। फिलहाल डेव की नौकरी पर तलवार लटकी हुई है और उन्हें डर है कि कहीं यह करोड़ों का बिल उन्हें अपनी जेब से न भरना पड़े। इस घटना के बाद माइक के सारे गैजेट्स छीन लिए गए हैं और उसे सजा के तौर पर घर के काम करने को कहा गया है। डेव ने साफ कर दिया है कि फिलहाल माइक का गेमिंग चैनल बंद रहेगा और अगर वह कभी वापस आता भी है, तो स्ट्रिक्ट सिक्योरिटी एंड सर्विलांस के साथ ही आएगा।

ऑफिस वालों ने मीटिंग बुलाकर मांगा हिसाब

इस बात का खुलासा तब हुआ जब डेव को उनके ऑफिस में फाइनेंस डिपार्टमेंट और मैनेजमेंट की एक मीटिंग में बुलाया गया। डेव के सामने एक लैपटॉप रखा गया, जिसमें पिछले तीन हफ्तों में खर्च का पूरा ब्योरा था। जब डेव से पूछा गया कि उनके अकाउंट से 1 लाख 18 हजार डॉलर का ऐड क्यों चला है, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई।

सबसे खतरनाक जगह! जहां जाने वाला कभी नहीं लौटकर आता

नई दिल्ली। दुनिया में कई ऐसी जगहें, जिन्हें बेहद खतरनाक माना जाता है। इन जगहों पर जाने वाले इंसान का जिंदा लौटकर आना मुश्किल होता है। भारत में भी एक ऐसी खतरनाक जगह है। यह जगह उत्तरी सेंटिनल द्वीप है, जो समुद्र के बीच घने जंगलों से घिरा है। अंडमान-निकोबार के सेंटिनल द्वीप पर दुनिया के सबसे अलग-थलग लोग रहते हैं, जो सेंटेनलीज आदिवासी हैं। इन आदिवासियों का अभी तक आधुनिक दुनिया से संपर्क नहीं हो सका है।

इस द्वीप पर रहने वाली सेंटिनली जनजाति आज भी शिकार करके अपना पेट पालती है। इनका इतिहास रहा है कि धनुष और बाण का इस्तेमाल करके घुसपैठियों को भगाते हैं। उत्तरी सेंटिनल द्वीप पर रहने वाली सेंटेनली जनजाति दुनिया से दूर रहती है। स्थानीय प्रशासन ने जनजाति को संरक्षित करने के लिए इस द्वीप के चारों तरफ 5 किलोमीटर के इलाके को प्रतिबंधित कर रखा है।

संपर्क करना गैरकानूनी

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 2004 की सुनामी के बाद, सेंटिनलीज की जानकारी हासिल करने के लिए जब हेलीकॉप्टर भेजे गए तो उन आदिवासियों ने उन पर भी तीर चलाया था। सेंटिनल द्वीप पर जाने वाले लोगों को सेंटेनलीज आदिवासियों ने तीर से छलनी कर मार दिया। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक मिशनरी ने कुछ साल पहले आदिवासियों से चोरी-चुपके मिलने की कोशिश की, लेकिन द्वीप पर उतरते ही चाऊ नाम के मिशनरी पर आदिवासियों ने तीरों की बौछार कर दी। कबीले के लोगों ने उसकी हत्या कर दी और उन पर मुकदमा भी नहीं चलाया जा सकता। इसकी वजह यह है कि उनसे संपर्क करना गैरकानूनी है। वे एक संरक्षित जनजाति हैं। इस आदिवासी समुदाय को बचाने के लिए उत्तर सेंटिनल द्वीप लोगों के जाने पर रोक है, क्योंकि इन लोगों में सामान्य फ्लू को झेलने लायक रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास नहीं हुआ है। बाहरी लोगों के घुसपैठ के डर से उनकी आक्रामकता इस द्वीप को आम इंसानों के लिए खतरनाक साबित होते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :